दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-192 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 09 सितम्बर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

कमजोर कभी क्षमाशील नहीं हो सकता है। क्षमाशीलता ताकतवर की निशानी है।

गांधी जी के विचार

मप्र में स्टाइपेंड बढ़ाने को लेकर सड़कों पर उतरे इंटर्न डॉक्टर

-दूसरे दिन भी प्रदर्शन जारी, वाटर कैनन उपयोग की होगी जांच

-प्रदर्शन के चलते सरकारी अस्पतालों की ओपीडी प्रभावित

भोपाल, (निप्र) । मध्य प्रदेश में एमबीबीएस इंटर्न डॉक्टरों का स्टाइपेंड बढ़ाने को लेकर शुरू हुआ आंदोलन दूसरे दिन भी नहीं थमा। भोपाल में इंटर्न डॉक्टर रातभर कमला पार्क के पास सड़क पर बैठे रहे और मंगलवार को दोबारा जाम कर दिया। उनके समर्थन में इंदौर, रतलाम समेत कई शहरों के सरकारी अस्पतालों में इंटर्न और जूनियर डॉक्टर भी प्रदर्शन में उतर आए। वहीं, सोमवार को भोपाल में प्रदर्शन के दौरान वाटर कैनन से कुछ डॉक्टरों के घायल होने को लेकर जांच के निर्देश दिए गए हैं। दरअसल, इंटर्न डॉक्टरों को फिलहाल 14,337 रुपए मासिक स्टाइपेंड मिल रहा है। उनकी मांग है कि इसमें उचित बढ़ोतरी की जाए। आंदोलन के कारण प्रदेश के कई सरकारी अस्पतालों में नियमित ओपीडी सेवाएं प्रभावित हुईं। हालांकि इमरजेंसी सेवाएं जारी रखी गई हैं। भोपाल के हमीदिया अस्पताल में ओपीडी पूरी तरह बंद रही, जबकि ओटी का भी बहिष्कार किया गया। इससे इलाज के लिए पहुंचे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

लिखित आदेश मिलने तक आंदोलन खत्म नहीं करेंगे डॉक्टर

मंगलवार को उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने वरिष्ठ चिकित्सकों और अधिकारियों के साथ इंटर्न डॉक्टरों के प्रतिनिधियों से बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि स्टाइपेंड बढ़ाने और प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई, दोनों मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई है। मुख्यमंत्री के लौटने के बाद स्टाइपेंड के मुद्दे पर दोबारा बातचीत की जाएगी। हालांकि इंटर्न डॉक्टरों ने साफ किया है कि केवल बातचीत से आंदोलन खत्म नहीं होगा। उनका कहना है कि स्टाइपेंड बढ़ाने का लिखित आदेश जारी होने और पुलिस कार्रवाई के मामले में कार्रवाई होने तक प्रदर्शन जारी रहेगा। डॉक्टरों ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश में इंटर्न डॉक्टरों का स्टाइपेंड बढ़ाया गया है, इसलिए मध्यप्रदेश में भी सरकार को फैसला लेना चाहिए।

मुख्यमंत्री हाउस जाने से रोका तो वाटर कैनन चला

सोमवार को इंटर्न डॉक्टर हमीदिया अस्पताल से निकलकर मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोक दिया। इस दौरान वाटर कैनन का इस्तेमाल किया गया। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने लाठीचार्ज और आंसू गैस के इस्तेमाल का भी आरोप लगाया। पुलिस का कहना है कि इमरजेंसी गेट पर प्रदर्शनकारियों की ओर से धक्का-मुक्की की गई, जिसके बाद वाटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। डीसीपी जोन-3 आयुष गुप्ता ने बताया कि पहले प्रदर्शनकारियों के पूर्वी गेट की तरफ जाने की बात थी, लेकिन इमरजेंसी गेट पर धक्का-मुक्की होने लगी। इसी वजह से वाटर कैनन का इस्तेमाल किया गया।

वाटर कैनन की परिस्थितियों की होगी निष्पक्ष जांच

इंटर्न डॉक्टरों पर वाटर कैनन के इस्तेमाल और कुछ डॉक्टरों के घायल होने की जानकारी को उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने गंभीरता से लिया। उन्होंने भोपाल पुलिस आयुक्त संजय कुमार से चर्चा कर मामले की निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए। जिसके बाद पुलिस उपायुक्त जोन-2 विकास सहवाल को जांच अधिकारी बनाया गया है। उन्हें मामले से जुड़े सभी पक्षों को सुनकर जल्द जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। डॉक्टरों ने पुलिस कार्रवाई में कई साथियों के घायल होने का दावा करते हुए जिम्मेदार पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है।

जीएमसी की डीन बोलीं- वाटर कैनन चलाना गलत था

गांधी मेडिकल कॉलेज की डीन कविता सिंह ने भी वाटर कैनन के इस्तेमाल पर असहमति जताई। उन्होंने कहा, वाटर कैनन का इस्तेमाल करके गलत किया गया। मुझे भी यह अच्छा नहीं लगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शारजाह के चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स में एग्ज़ीबिशन हॉल का अवलोकन किया।

महाराष्ट्र के गोंदिया-बालाघाट हाईवे पर ट्रक और पिकअप की भिड़ंत, छह लोगों की मौत, 7 घायल

गोंदिया (महाराष्ट्र) (आरएनएस)। महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में गोंदिया-बालाघाट राजमार्ग पर मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। नागरा-मोहरनटोली के पास तेज रफ्तार ट्रक और मजदूरों को लेकर जा रही पिकअप गाड़ी के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हुई। हादसे में शामिल सभी लोग मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, पिकअप गाड़ी में सवार मजदूर सुबह के समय काम के सिलसिले में हैदराबाद जा रहे थे। इसी दौरान नागरा-मोहरनटोली के पास तेज रफ्तार ट्रक ने पिकअप को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार कई लोग अंदर फंस गए।

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और गोंदिया ग्रामीण पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला। छह लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि सात घायलों को तत्काल गोंदिया के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया।

22 सितंबर को एकता नगर में राष्ट्रपति प्रदान करेंगी 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

'आर्टिकल 370' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, ममूटी और कार्तिक आर्यन सर्वश्रेष्ठ अभिनेता; यामी गौतम को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का सम्मान

नई दिल्ली, (आरएनएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 22 सितंबर 2026 को गुजरात के एकता नगर (केवडिया) में 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान करेंगी। समारोह में देशभर के फिल्म निर्माता, अभिनेता, तकनीशियन और अन्य कलाकार शामिल होंगे। वर्ष 2024 में भारतीय सिनेमा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और उपलब्धियों के लिए विभिन्न श्रेणियों में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार वर्ष 1954 में स्थापित किए गए थे और इन्हें भारतीय सिनेमा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए देश के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में गिना जाता है। सात दशकों से अधिक समय से ये पुरस्कार फीचर फिल्म, गैर-फीचर फिल्म और सिनेमा पर लेखन के क्षेत्र में उत्कृष्ट रचनात्मक एवं तकनीकी उपलब्धियों को सम्मानित करते आ रहे हैं। साथ ही, पुरस्कार भारतीय सिनेमा की भाषाई, सांस्कृतिक और क्षेत्रीय विविधता को भी सामने लाते हैं।

प्रदेश में अब तक 31.1 इंच बारिश, रीवा-शहडोल में 11 सितंबर तक तेज बारिश के आसार

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश में मानसून अब तक सामान्य बारिश के आंकड़े से थोड़ा पीछे है, लेकिन सीजन का 83.5 प्रतिशत बारिश का कोटा पूरा हो चुका है। प्रदेश में अब तक औसतन 790.8 मिमी यानी 31.1 इंच पानी गिरा है। भोपाल समेत 12 जिलों में बारिश सामान्य से ज्यादा दर्ज की गई है, जबकि 31 जिले अभी भी औसत से पीछे चल रहे हैं। सामान्य से अधिक बारिश वाले जिलों में भोपाल, राजगढ़, शिवपुरी, निवाड़ी, मैहर, भिंड, श्योपुर, सिंगरौली, सीधी, सतना, मऊगंज और उमरिया शामिल हैं। वहीं उमरिया, अनूपपुर, आगर-मालवा, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, ग्वालियर, गुना, दतिया, खरगोन और बुरहानपुर में अब तक 90 प्रतिशत से ज्यादा बारिश हो चुकी है।

मानसून के दौरान प्रदेश के पूर्वी हिस्से में बारिश का प्रदर्शन बेहतर रहा है, जबकि इंदौर-उज्जैन संभाग वाले पश्चिमी हिस्से में सबसे कम पानी रिकॉर्ड किया गया है। जिलेवार आंकड़ों में मऊगंज 53 इंच बारिश के साथ सबसे आगे है। इसके उलट आलीराजपुर में सिर्फ 13.6 इंच बारिश दर्ज की गई है।

मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार अगले कुछ दिनों में बारिश का असर मुख्य रूप से प्रदेश के पूर्वी हिस्से में रहेगा। 11 सितंबर तक रीवा और शहडोल संभाग में तेज बारिश का दौर जारी रह सकता है। बाकी जिलों में हल्की बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक 12 सितंबर के बाद एक नया सिस्टम सक्रिय हो सकता है। इसके प्रभाव से एक बार फिर प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। मध्य प्रदेश में इस मानसून सीजन में अभी तक 790.8 मिमी (31.1 इंच) बारिश दर्ज की गई है। इस अवधि की सामान्य बारिश 840.6 मिमी यानी 33.1 इंच मानी जाती है।

कांग्रेस ने डिप्टी सीएम का पुतला जलाया

उज्जैन (आरएनएस)। सागर में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों के मामले पर कांग्रेस ने मंगलवार शाम करीब 5 बजे उज्जैन में प्रदर्शन किया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी की अगुवाई में कार्यकर्ता और पदाधिकारी कांग्रेस दफ्तर के बाहर क्षीरसागर चौराहे पर पहुंचे। उन्होंने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा का पुतला जलाया और सरकार के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारे लगाए और आबकारी व्यवस्था पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश में सरकार की गलत नीतियों और व्यवस्था की कमी के कारण जहरीली शराब लोगों तक पहुंच रही है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी ने कहा कि सागर की घटना बहुत गंभीर है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने मौतों का आंकड़ा कम बताया है, जबकि असली संख्या ज्यादा हो सकती है। कांग्रेस ने मामले की निष्पक्ष और गंभीर जांच कराने की मांग की है। कांग्रेस ने आबकारी मंत्री और डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत पद से इस्तीफा देने की मांग की। इसके साथ ही, मृतकों के हर परिवार को 50 लाख रुपए की आर्थिक मदद और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग भी उठाई गई।

'चोरों के कमांडर' टिप्पणी मामला: राहुल गांधी को बॉम्बे हाई कोर्ट से राहत नहीं

मुंबई, (आरएनएस)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने मंगलवार को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को मानहानि के एक मामले में राहत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित मानहानिकारक टिप्पणी से जुड़े मामले में वर्ष 2019 में जारी समन को रद्द करने की मांग वाली गांधी की याचिका खारिज कर दी।

न्यायमूर्ति एन.आर. बोरकर की एकल पीठ ने गिरगांव मजिस्ट्रेट अदालत के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की, जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ मामले में आगे की कार्रवाई का निर्देश दिया गया था। हाई कोर्ट ने कहा कि मजिस्ट्रेट के आदेश में ऐसी कोई खामी या गैरकानूनी बात नहीं है, जिसके आधार पर अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े।

न्यायमूर्ति बोरकर ने कहा कि अदालत को निचली अदालत के आदेश में कोई कमी नहीं मिली है। इसलिए राहुल गांधी की याचिका खारिज की जाती है। हालांकि, हाई कोर्ट ने मानहानि की शिकायत पर सुनवाई को छह सप्ताह तक स्थगित रखने का अपना वर्ष 2021 का निर्देश जारी रखा। इसका उद्देश्य राहुल गांधी को हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में अपील करने का अवसर देना है।

'नमो नर्मदा सेवा पथ अभियान' के सफल क्रियान्वयन के लिए जन सहभागिता अत्यंत आवश्यक : दादा गुरु महाराज

अभियान के दौरान की जाने वाली गतिविधियों पर कार्यशाला आयोजित

नर्मदापुरम (आरएनएस)। मां नर्मदा के तटों को हरित आवरण से समृद्ध करने और नर्मदा परिक्रमा पथ पर परिक्रमा वासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'नमो नर्मदा सेवा पथ अभियान' को जनभागीदारी का व्यापक स्वरूप दिया जाएगा। जिला प्रशासन के सहयोग एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में मंगलवार को कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अभिनव पहल 'नमो नर्मदा सेवा पथ अभियान' के संबंध में कार्यशाला आयोजित की गई। दादा गुरु महाराज की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव धर्मगुरु-आचार्य, विभिन्न सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। कार्यशाला में अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित विभिन्न गतिविधियों एवं उनके प्रभावी क्रियान्वयन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।कार्यशाला में जिले से गुजरने वाले नर्मदा परिक्रमा पथ मार्ग पर वृक्षारोपण, आश्रय स्थल, स्वास्थ्य सुविधाएं एवं परिक्रमा वासियों के लिए आवश्यक अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। साथ ही अभियान को जनसहभागिता से व्यापक स्वरूप प्रदान करने तथा विभिन्न सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर जिले में 'माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान' का भी शुभारंभ किया गया। कार्यशाला में उपस्थित प्रबुद्धजनों एवं नागरिकों को संबोधित करते हुए दादा गुरु महाराज ने कहा कि किसी भी जन अभियान की सार्थकता तभी सिद्ध होती है, जब उसमें सभी लोग सामूहिक जवाबदारी के साथ सहभागिता करें। अभियान के दौरान सामने आने वाली समस्याओं एवं चुनौतियों को चिन्हित कर उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए।

30 हजार फीट की ऊंचाई पर विमान में आई तकनीकी खराबी, चेन्नई में आपात लैंडिंग

चेन्नई, (आरएनएस)। तिरुचिरापल्ली से सिंगापुर जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक यात्री उड़ान में बीच आसमान में तकनीकी खराबी सामने आने के बाद चेन्नई हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग कराई गई। विमान में 179 यात्री और चालक दल के आठ सदस्यों समेत कुल 187 लोग सवार थे। राहत की बात यह रही कि सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित रहे। तकनीकी खराबी दूर किए जाने के बाद विमान को दोबारा सिंगापुर के लिए रवाना कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान तिरुचिरापल्ली से सिंगापुर के लिए उड़ान भरने के बाद करीब 30 हजार फीट की ऊंचाई पर पहुंचा था। इसी दौरान पायलट को विमान में तकनीकी खराबी का पता चला। स्थिति को देखते हुए पायलट ने एहतियात के तौर पर चेन्नई हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग कराने का निर्णय लिया।

उस समय विमान चेन्नई के हवाई क्षेत्र के ऊपर उड़ रहा था। पायलट ने तत्काल चेन्नई हवाई अड्डे के नियंत्रण कक्ष से संपर्क कर आपात लैंडिंग की अनुमति मांगी। हवाई अड्डा अधिकारियों ने तुरंत अनुमति दे दी और विमान की सुरक्षित लैंडिंग के लिए आवश्यक सुरक्षा इंतजाम किए गए।

इसके बाद विमान ने कल शाम करीब छह बजे चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के धावनमार्ग पर सुरक्षित आपात लैंडिंग की।

बेहतर लॉजिस्टिक व्यवस्था से प्रदेश के उत्पादों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने में मदद मिलेगी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

लॉजिस्टिक और सप्लाई चेन के विस्तार से स्थानीय स्तर पर बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने "एआईएम कांग्रेस-2026" के तीसरे दिन निवेशकों और उद्यमियों से की वन-टू-वन मीटिंग

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में ऊर्जा, अधोसंरचना, लॉजिस्टिक्स और नगरीय विकास के क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश, देश के मध्य में स्थित है और यहां का सड़क सम्पर्क, रेल तथा एयर कनेक्टिविटी देश के सभी स्थानों से सुगम है। देश के किसी भी कोने में मध्यप्रदेश से अपने उत्पाद पहुंचाना सरल और त्वरित है। प्रदेश में उपलब्ध बेहतर औद्योगिक अधोसंरचना, पर्याप्त ऊर्जा तथा स्किल्ड मैनपॉवर के कारण मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास की दृष्टि से हर तरह की संभावनाओं से परिपूर्ण प्रदेश है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुबई में आयोजित एआईएम कांग्रेस-2026 (एन्युअल इन्वेस्टमेंट मीटिंग) के तीसरे दिन 8 सितंबर को यूएई के प्रमुख निवेशकों और उद्यमियों के साथ वन-टू-वन मीटिंग की। इसके अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यूएई के बिजनेस-फिलैंथ्रॉपी के लिए स्पेशल एनवॉय और क्रेसेंट एंटरप्राइजेज के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर बद्र जाफर, डीपी वर्ल्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिजवान सूमार, राणा होल्डिंग्स लिमिटेड के चेयरमैन-मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. दर्शन सिंह राणा, जेम्स एजुकेशन कंपनी के चेयरमैन-फाउंडर सनी वर्की, ब्यूमर्क कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन और सीईओ सिद्धार्थ बालाचंद्रन, शराफ ग्रुप के प्रेसिडेंट-सीईओ श्याम कपूर, वीएफएस ग्लोबल के वैश्विक प्रमुख अमित साइचर तथा सुपरमार्केट, वितरण और विनिर्माण क्षेत्र के प्रमुख बहुराष्ट्रीय समूह चोइथराम के अध्यक्ष एल.टी. पगरानी से विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योग समूहों के प्रतिनिधियों को अगले वर्ष होने वाली ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट (जीआईएस)-2027 का निमंत्रण भी दिया।

तकनीक आधारित उद्यमशीलता और स्टार्टअप को राज्य सरकार कर रही है प्रोत्साहित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चर्चा के दौरान क्रेसेंट एंटरप्राइजेज के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर बद्र जाफर को प्रदेश के प्रमुख उत्पादन क्लस्टर्स के लिए वेयर हाऊसिंग, लॉजिस्टिक्स आदि के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तकनीक आधारित उद्यमशीलता और स्टार्टअप के क्षेत्र में निवेश को राज्य सरकार निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। श्री जाफर ने शहरी अधोसंरचना विकास, सूचना प्रौद्योगिकी, संसाधनों के प्रभावी उपयोग, तकनीक हस्तांतरण के क्षेत्र में दीर्घ अवधि निवेश के संबंध में रूचि प्रकट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा जाफर के बीच मध्यप्रदेश में एनर्जी और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नवाचार को लेकर विशेष रूप से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को श्री जाफर ने बताया कि क्रेसेंट ग्रुप ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, अधोसंरचना और दीर्घकालिक निवेश में रुचि रखने वाला बहुआयामी व्यापारिक समूह है। पेट्रोलियम और उद्यमिता क्रेसेंट के प्रमुख कार्यक्षेत्र हैं। कंपनी का मुख्यालय शारजाह में है।

पोवारखेड़ा अंतरदेशीय लॉजिस्टिक्स के प्रमुख प्रवेश द्वार के रूप में होगा विकसित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डीपी वर्ल्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिजवान सूमार के साथ चर्चा में लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन सहित कई विषयों पर बातचीत की। उल्लेखनीय है कि डीपी वर्ल्ड की इकाईयां मध्यप्रदेश में पहले से ही संचालित है तथा वह प्रदेश में गतिविधियों के विस्तार का इच्छुक है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सूमार ने बताया कि डीपी वर्ल्ड कंपनी एंड-टू-एंड सप्लाई चेन और व्यापार समाधानों की एकीकृत वैश्विक प्रदाता है। यह दुबई सरकार की 100त्न स्वामित्व वाली कंपनी है। कंपनी भारत सहित 80 देशों में काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पोवारखेड़ा लॉजिस्टिक्स कंपोजिट हब को अंतरदेशीय लॉजिस्टिक्स के प्रमुख प्रवेश द्वार के रूप में विकसित करने की संभावना है। प्रमुख औद्योगिक और कृषि क्लस्टरों को सेवा देने वाली मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग और कोल्ड-चेन सुविधाओं से व्यापार-व्यवसाय गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। कुशल रेल-आधारित माल ढुलाई के माध्यम से लॉजिस्टिक्स लागत और ट्रांसपोर्ट का समय कम करते हुए किसानों, एफपीओ, एमएसएमई और उद्योगों के लिए कार्गो समेकन, मूल्य संवर्धन और निर्यात सहायता प्रदान करने से प्रदेश के उत्पादों को वैश्विक बाजारों से जोड़ा जा सकेगा, इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राणा होल्डिंग्स लिमिटेड के चेयरमैन-मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. दर्शन सिंह राणा से मुलाकात की। दोनों के बीच मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। बैठक में स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, डेटा सेंटर्स, ग्रीन एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन, ई-मोबिलिटी और एग्रीकल्चरल मशीनरी पर फोकस किया गया।

भोपालः सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों के विरुद्ध होगी दंडात्मक कार्रवाई

– पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने जारी किए प्रतिबंधात्मक आदेश

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश के भोपाल जिले में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों के विरूद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में मंगलवार को भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने जन सुरक्षा तथा लोक परिशांति बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं।जारी आदेश अनुसार कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, हाईक, एस.एम.एस. टेलीग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया साइट आदि का दुरुपयोग कर धार्मिक, सामाजिक, जातिगत भावनाओं एवं विद्वेष को भड़काने के लिए किसी भी प्रकार के संदेशों का प्रसारण नहीं करेगा।कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म पर किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक एवं उन्माद फैलाने वाले संदेश, फोटो, वीडियो, ऑडियो इत्यादि, जिससे धार्मिक, सामाजिक, जातिगत आदि भावनाएं भड़क सकती हैं या सांप्रदायिक विद्वेष पैदा हो सकता है, उन्हें प्रसारित नहीं करेगा। सोशल मीडिया के किसी भी पोस्ट, जिसमें धार्मिक, सांप्रदायिक एवं जातिगत भावना भड़कती हो, को कमेंट, लाइक, शेयर या फॉरवर्ड नहीं करेगा।

सागर जहरीली शराब कांड : जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, न्यायिक जांच और जिम्मेदारी तय करने की मांग

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश के सागर जिले के बंडा क्षेत्र में जहरीली शराब से हुई मौतों के मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर पूरे प्रकरण की स्वतंत्र न्यायिक जांच कराने की मांग की है। उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने, अवैध शराब के नेटवर्क का पता लगाने और पीड़ित परिवारों को उचित सहायता उपलब्ध कराने की मांग भी की। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में जीतू पटवारी ने कहा कि वे स्वयं पीड़ित परिवारों से मिले हैं और घटना से प्रभावित परिवारों की स्थिति बेहद गंभीर है। उन्होंने कहा कि जहरीली शराब से मौत की घटनाओं के बाद केवल कुछ अधिकारियों के तबादले या निलंबन से सरकार की जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती। ऐसे मामलों में घटना से पहले निगरानी और प्रभावी कार्रवाई की व्यवस्था सुनिश्चित करना जरूरी है। पटवारी ने पत्र में सवाल उठाया कि यदि अवैध शराब के कारोबार को लेकर पहले से शिकायतें या सूचनाएं थीं, तो समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं हुई। उन्होंने वाणिज्यिक कर

विभाग के प्रमुख सचिव अमित राठौर और आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना की भूमिका और प्रशासनिक जवाबदेही की भी जांच की मांग की।

कार्रवाई के आदेश में बदलाव की जांच की मांग

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने संदिग्ध शराब को लेकर विभागीय स्तर पर हुई कार्रवाई और बाद में लिए गए निर्णयों में कथित विरोधाभास की स्वतंत्र जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि किस स्तर पर कौन-सा आदेश जारी हुआ और उसमें बदलाव क्यों किया गया, इसकी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए। उन्होंने सागर में अवैध शराब के नेटवर्क की जांच स्थानीय स्तर से आगे बढ़ाकर अंतरराज्यीय स्तर तक करने की मांग की। पत्र में ललितपुर से सागर तक कथित रूप से शराब पहुंचने के मामले की भी जांच कराने की बात कही गई है।

डिस्टलरी से लेकर अंतिम विक्रेता तक जांच की मांग

पीसीसी चीफ पटवारी ने प्रदेश की डिस्टलरियों से संबंधित आरोपों की भी जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि किसी डिस्टलरी का अवैध शराब के उत्पादन या आपूर्ति से संबंध सामने आता है, तो उसकी स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। इसके साथ ही डिस्टलरी, गोदाम, लाइसेंसी दुकान और गांवों में शराब बेचने वालों तक पूरी सप्लाई चेन की जांच किए जाने की मांग की। पत्र में गुजरात और उज्जैन की घटनाओं का उल्लेख करते हुए पटवारी ने सरकार से यह स्पष्ट करने को कहा कि पूर्व में जहरीली शराब की घटनाओं के बाद ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए।

श्वेत पत्र जारी करने की मांग

पटवारी ने सरकार से जहरीली शराब कांड पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। इसमें मृतकों की प्रमाणित सूची सार्वजनिक करने, पीड़ितों को बेहतर उपचार और उचित आर्थिक सहायता देने तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानकारी देने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि जांच में यह स्पष्ट होना चाहिए कि जहरीली शराब के निर्माण, आपूर्ति और गांवों तक पहुंचाने में कौन-कौन लोग शामिल थे और यदि किसी स्तर पर संरक्षण मिला तो उसकी भी जिम्मेदारी तय हो। पत्र के अंत में पटवारी ने कहा कि केवल तबादला और निलंबन पर्याप्त कार्रवाई नहीं है। उन्होंने पीड़ित परिवारों को न्याय और पूरे अवैध शराब नेटवर्क के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की मांग की।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में भारतीय ज्ञान परंपरा के विकास में निजी विश्वविद्यालयों के योगदान विषय पर आयोजित कार्यशाला में स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया।

स्वतंत्रता की अक्षुण्णता बनाए रखने की जिम्मेदारी युवा पीढ़ी पर : मंत्री श्री परमार

वर्ष 2047 के विकसित भारत के निर्माण में युवा शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका

आईईएस विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ छात्र-संवाद कार्यक्रम 'आरोहण - स्व से राष्ट्र की ओर'

भोपाल (ए.)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि हमें स्वतंत्रता बड़े संघर्ष, त्याग और बलिदानों के बाद प्राप्त हुई है। इसकी अक्षुण्णता बनाए रखने और राष्ट्र की प्रगति को निरंतर आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी युवा पीढ़ी पर है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए भारतीय दृष्टि से आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया है। वर्ष 2047 के संकल्पित विकसित भारत के निर्माण में हम सभी को मिलकर अपना योगदान देना है। इसके लिए युवाओं का अपनी जिज्ञासाओं का समाधान करना और ज्ञान के प्रति निरंतर जिज्ञासु बने रहना आवश्यक है। हमारे पूर्वजों के ज्ञान और अनुभव के आधार पर भारत को पुन: विश्वगुरु बनाने की दिशा में आगे बढ़ना है। स्व का जागरण ही राष्ट्र जागरण का प्रथम सोपान है।मंत्री श्री परमार ने यह विचार मंगलवार को भोपाल स्थित आईईएस विश्वविद्यालय में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, आईईएस विश्वविद्यालय एवं दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित छात्र-संवाद कार्यक्रम 'आरोहण-स्व से राष्ट्र की ओर' में व्यक्त किए। कार्यक्रम में परम पूज्य आचार्य श्री मिथिलेश नंदिनी शरण महाराज का सान्निध्य प्राप्त हुआ।मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा केवल ज्ञान अर्जित करने की परम्परा नहीं, बल्कि व्यक्ति के समग्र निर्माण और उसके ज्ञान, सामर्थ्य एवं ऊर्जा को राष्ट्रहित से जोड़ने की जीवनदृष्टि है।

सतर्कता, साहस और संवेदनशीलता की मिसाल बनी महिला पुलिसकर्मी

आरक्षक निकिता जोशी की सूझबूझ से 6 वर्षीय मासूम की बची जान

भोपाल (ए.)। देशभक्ति-जनसेवाके संकल्प के साथ मध्यप्रदेश पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारी ड्यूटी के साथ-साथ मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए आमजन की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। इसी का प्रेरणादायी उदाहरण D C P ज़ोन-2 कार्यालय में पदस्थ महिला पुलिसकर्मीआरक्षक सुश्री निकिता जोशीने प्रस्तुत किया, जिनकी सजगता और साहस से एक 6 वर्षीय मासूम बालक की जान बच सकी। घटना उस समय की है जब निकिता जोशी ड्यूटी समाप्त कर शाम को अपने घर पहुंची थीं। इसी दौरान घर के सामने स्थित मंदिर परिसर से बच्चों के घबराए हुए चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए वे तत्काल मंदिर परिसर की ओर दौड़ीं।

मंदिर के पीछे झाड़ियों में उन्होंने 6 वर्षीय बालक को अचेत अवस्था में पड़ा देखा। पास जाकर देखने पर बालक के हाथ में बिजली का तार दिखाई दिया।

बिना समय गंवाए निकिता जोशी ने साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए बालक का हाथ बिजली के तार से अलग किया।

तार हटते ही बालक ने आंखें खोलीं। बालक की स्थिति को देखते हुए निकिता जोशी ने उसे तत्काल अपनी गोद में उठाया और परिजनों की सहायता से बिना विलंब अस्पताल पहुंचाया। समय पर उपचार मिलने से बालक की जान बच गई। बालक के परिजनों ने महिला पुलिसकर्मी कीतत्परता, साहस और मानवीय संवेदनशीलताके लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

भोपाल निगम ने 46 आवारा श्वानों की नसबंदी कर 43 को फिर उसी स्थान पर छोड़ा

भोपाल,(ए.)। राजधानी भोपाल में आवारा श्वानों की बढ़ती संख्या और उनके हमलों की घटनाओं के बीच नगर निगम द्वारा नसबंदी एवं एंटी रैबीज टीकाकरण अभियान जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को निगम के डॉग स्क्वाड ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 46 आवारा श्वानों को पकड़कर नसबंदी केंद्रों में भेजा। नसबंदी के बाद इनमें से 43 श्वानों को पुन: उसी स्थान पर छोड़ दिया गया, जहां से उन्हें पकड़ा गया था।नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर डॉग स्क्वाड के दलों ने मंगलवार को विभिन्न जोन क्षेत्रों में कार्रवाई की। अभियान के दौरान 19 श्वानों को कजलीखेड़ा स्थित एबीसी सेंटर और 27 श्वानों को अरवलिया स्थित एबीसी सेंटर भेजा गया। इस प्रकार कुल 46 श्वानों की नसबंदी के लिए कार्रवाई की गई।नगर निगम के अनुसार नसबंदी के बाद 43 श्वानों को वापस उनके पूर्व स्थान पर छोड़ा गया। निगम का डॉग स्क्वाड शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आवारा श्वानों को पकड़ने की कार्रवाई आगे भी जारी रखेगा।

हालांकि, आवारा श्वानों को नसबंदी के बाद उसी क्षेत्र में छोड़े जाने को लेकर नागरिकों के बीच सवाल भी उठ रहे हैं। शहर में लगातार बढ़ रही श्वानों की संख्या और उनके हमलों से लोगों के घायल होने की घटनाओं के बीच नागरिक स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं।

उपभोक्ता संघ के माध्यम से मिलेगा ग्लूटेन फ्री गेहूं बीज : मंत्री श्री सारंग

राज्य सहकारी बीज उत्पादक एवं वितरण संघ के संचालक मंडल की बैठक

भोपाल (ए.)। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने निर्देश दिए हैं कि उपभोक्ता संघ के माध्यम से ग्लूटेन फ्री गेहूं बीज उपलब्ध कराया जाए। मंत्री श्री सारंग मंगलवार को मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बीज उत्पादक एवं विपणन संघ मर्यादित के संचालक मंडल की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में बीज संघ मुख्यालय के कार्यालय के लिए अन्यत्र स्थान पर भवन लेने की अनुमति दी गई। उन्होंने कहा कि 6 माह के अंदर बीज संघ का नया ऑफिस हो, इसके लिए औपचारिक प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाए।

मंत्री श्री सारंग ने संघ की वित्तीय गतिविधियों के आकलन के लिए आउटसोर्स से चार्टर्ड अकाउंटेंट की सेवाएं लेने को भी कहा। उन्होंने संघ के बायलॉज को समिति बनाकर रिव्यू करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि बीज संघ बिजनेस मॉड्यूल पर काम करें। बीज संघ व्यावसायिक सोच के साथ आगे बढ़े, इसके लिए आकर्षित करने वाला प्लान तैयार करें। उन्होंने संघ की गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से भी एक्टिविटी करने के लिए एजेंसी हायर करने के निर्देश दिए।

बैठक मे प्रबंध संचालक एम.के. दीक्षित द्वारा बिन्दुवार विषयों को प्रस्तुत किया गया। बैठक के दौरान हाइब्रिड मक्का एवं उद्यानिकी (सब्जी) बीज तथा ग्लूटेन फ्री गेहूं के बीज उत्पादन, विपणन एवं निजी क्षेत्र की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत कीमत पर उपलब्ध कराने के संबंध में संचालक मण्डल को अवगत कराया गया। संचालक मण्डल द्वारा उक्त कार्य की सराहना करते हुए और अधिक हाईब्रिड फसलों के उत्पादन कार्यक्रम लेने, ग्लूटेन फ्री गेहूं एवं सब्जी बीज के विक्रय के लिये उपभोक्ता सहकारी संघ एवं अन्य संस्थानों से एमओयू निष्पादित करने का निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान मंत्री श्री सारंग द्वारा बीज संघ के नवीन क्षेत्रों में व्यवसाय विकसित करने के लिए निर्देशित किया गया।

बीज संघ के व्यवसाय विविधीकरण के लिए व्यवसाय विशेषज्ञ एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों को शामिल करते हुए संघ की उपविधियों में वांछित संशोधन का सुझाव प्रस्तुत करने बाबत कमेटी गठित करने के निर्देश दिये गये, जिससे प्रदेश के कृषकों को प्रमाणित, हाइब्रिड एवं उघानिकी की फसलों के लिये सभी प्रकार की सेवाएं उपलब्ध कराई जा सके। संचालक मंडल की बैठक में आगामी आमसभा मे प्रस्तुत किये जाने वाले विषयों का अनुमोदन किया गया। बैठक के दौरान बीज संघ में कार्यरत कर्मचारियों के हित मे भी विभिन्न निर्णय लिये गये।

पंजाब मेल की पेन्ट्रीकार से 200 से अधिक अनधिकृत पानी की बोतलें जब्त

स्टॉल-कैंटीनों से खाद्य सामग्री के नमूने लेकर जांच के लिए भोपाल भेजे

ग्वालियर (ए.)। ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को विशेष जांच अभियान चलाया गया। विशेष रेलवे मजिस्ट्रेट, ग्वालियर अतुल यादव के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान के दौरान ट्रेन क्रमांक 12138 पंजाब मेल की पेन्ट्रीकार से बिना निर्माता विवरण एवं आवश्यक लेबलिंग वाली 200 से अधिक अनधिकृत पानी की बोतलें जब्त की गईं। साथ ही प्लेटफार्मों पर स्थित स्टॉल एवं कैंटीनों से खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए भोपाल स्थित राज्य प्रयोगशाला भेजे गए। इस दौरान प्लेटफार्म क्रमांक 1 से 4 तक चलाए गए जांच अभियान में बिना टिकट यात्रा करने, रेलवे परिसर में गंदगी फैलाने तथा अनधिकृत रूप से रेल लाइन पार करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भी नियमानुसार अर्थदण्ड की कार्रवाई की गई। जांच के दौरान पंजाब मेल की पेन्ट्रीकार में विक्रय के लिए रखी गई 17 कैरेट में 200 से अधिक ऐसी पानी की बोतलें मिलीं, जिन पर निर्माता संबंधी आवश्यक विवरण एवं लेबलिंग नहीं थी। इन्हें जब्त कर पेन्ट्रीकार से उतरवाया गया तथा संबंधित प्रबंधक के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके अलावा प्लेटफार्म क्रमांक 1, 2 एवं 3 पर स्थित स्टॉलों और कैंटीनों की जांच में बिना आवश्यक दस्तावेजों के खाद्य

सामग्री विक्रय करने वाले अनधिकृत विक्रेताओं के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई। विभिन्न स्टॉलों से चॉकलेट, सैंडविच, बिस्किट, चोको डिलाइट स्लाइस केक एवं मैंगो ड्रिंक के नमूने लेकर परीक्षण के लिए भोपाल स्थित राज्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

विशेष रेलवे मजिस्ट्रेट अतुल यादव ने बताया कि यात्रियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर इस प्रकार के जांच अभियान निरंतर जारी रहेंगे। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी झांसी व आगरा डिवीजन जनक सिंह, सीएचआई जे एस चौहान व तेजपाल, कैटरिंग इंस्पेक्टर सुशील कुमार व श्री जायसवाल एवं सीटीआई राजीव शर्मा सहित अन्य टीटीई स्टाफ एवं आरपीएफ व जीआरपी का स्टाफ शामिल रहा।

रीवा कलेक्टर की फटकार से नाराज मेडिकल टीचर एसोसिएशन, डॉक्टरों ने जताया विरोध

रीवा (ए.)। रीवा के संजय गांधी अस्पताल, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और गांधी स्मृति चिकित्सालय की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन की सख्ती के बीच मेडिकल टीचर एसोसिएशन और जिला प्रशासन के बीच मतभेद सामने आए हैं। सोमवार देर रात कलेक्टर के नेतृत्व में अस्पतालों के निरीक्षण के दौरान प्रभारी डीन डॉ. मनोज इंदूरकर को सार्वजनिक रूप से फटकार लगाए जाने से मेडिकल टीचर एसोसिएशन नाराज है। मंगलवार को एसोसिएशन ने गोपनीय बैठक कर इस पूरे घटनाक्रम पर चर्चा की और कलेक्टर के व्यवहार के विरोध में लामबंद होने का निर्णय लिया। स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर रीवा में पिछले कई दिनों से लगातार सवाल उठ रहे हैं। अस्पतालों में अव्यवस्था और मरीजों की मौत के मामलों को लेकर राजनीतिक गतिविधियां भी तेज हैं। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला के गृह जिले रीवा में कांग्रेस ने स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर उनके खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। वहीं कल्पना के पिता भी आमरण अनशन कर रहे हैं।

सोगरिया-मथुरा, दुर्गापुरा-सवाई माधोपुर एवं जयपुर-बयाना के मध्य स्पेशल ट्रेनों की रेलसेवाएं अब 15 सितम्बर तक चलेंगी

जबलपुर (ए.)। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं अतिरिक्त यात्री यातायात को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेल से संबंधित तीन जोड़ी स्पेशल रेलसेवाओं की संचालन अवधि बढ़ाकर 08 अतिरिक्त फेरों के साथ 15 सितम्बर, 2026 तक चलाने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या 02921/02922 सोगरिया-मथुरा-सोगरिया अनारक्षित सुपरफास्ट स्पेशल तथा गाड़ी संख्या 05493/05494 दुर्गापुरा-सवाई माधोपुर-दुर्गापुरा अनारक्षित स्पेशल ट्रेन का संचालन अब 15 सितम्बर, 2026 तक जारी रहेगा। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 19721/19722 जयपुर-बयाना-जयपुर एक्सप्रेस रेलसेवा का भरतपुर तक विस्तार भी 15 सितम्बर, 2026 तक जारी रहेगा। इस अवधि में यह रेलसेवा जयपुर से भरतपुर तथा भरतपुर से जयपुर के बीच संचालित होगी।यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा प्रारम्भ करने से पूर्व ट्रेन की अद्यतन समय-सारणी एवं ठहराव की जानकारी रेलवे पूछताछ सेवा 139अथवा एनटीईएस से प्राप्त कर लें।

छात्रावास की जमीन पर निजी गेट खुलने से छात्र नाराज ने सड़क जाम कर जताया विरोध

अनूपपुर, (ए.)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखंड मुख्यालय राजेंद्रग्राम छात्रावास परिसर की ओर निजी भूमि पर हो रहे निर्माण और उसकी निकासी छात्रावास की भूमि के रास्ते लगाए जा रहे गेट के विरोध में मंगलवार को शासकीय महाविद्यालय पुष्पराजगढ़ छात्रावास के सैकड़ों छात्र-छात्राएं अमरकंटक-रीवा मार्ग बसनिहा ग्राम पंचायत तिराहे में सड़क में बैठ कर धरना दिया। प्रशासन ने शीध्र ही जांच करा कार्यवाई का आश्वासन पर लगभग 4 घंटे के बाद छात्रों ने प्रदर्शन खत्म कर दिया। आदिवासी छात्र संगठन के बैनर तले छात्रों के प्रदर्शन के कारण दोनो ओर से मार्ग पर यातायात रुक गया है। वाहनों की लगभग 2 किलोमीटर लंबी कतार लग गई है। विद्यार्थियों का आरोप है कि छात्रावास में अवैध गेट बनाया जा रहा है और बाउंड्रीवॉल निर्माण पर रोक लगाकर संबंधित भू-स्वामी जबरन कब्जा करने की कोशिश कर रहा है।छात्रों का कहना है कि इस अवैध निर्माण को लेकर आवेदन और ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

मैहर में जंगली हाथी का आतंक, ग्रामीण की मौत और तीन मकान ढहाए

मैहर(ए.)। मध्य प्रदेश के मैहर जिले के रामनगर विकासखंड अंतर्गत पुरैना पंचायत के सिंगपुर मौहारी गांव में मंगलवार सुबह जंगली हाथी ने जमकर उत्पात मचाया। हाथी के हमले में कंछेदी यादव की मौत हो गई। इसके अलावा हाथी ने कई मकानों को क्षतिग्रस्त कर दिया। तीन घरों के मलबे में बकरी सहित अन्य पशुओं के दबे होने की आशंका जताई जा रही है।घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों में वन विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी भी सामने आई है। पुरैना के सरपंच बीपेन्द्र प्रताप सिंह ने आरोप लगाया कि वन विभाग को सूचना देने के बावजूद टीम करीब तीन से चार घंटे बाद मौके पर पहुंची। इस दौरान हाथी गांव में उत्पात मचाता रहा और इसी बीच उसने कंछेदी यादव पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। सरपंच के अनुसार हाथी ने कई घरों को भी गिरा दिया, जिनके मलबे में पशुओं के दबे होने की आशंका है। ग्रामीणों का कहना है कि घटना की गंभीरता के बावजूद अमरपाटन वन परिक्षेत्र के रेंजर मौके पर नहीं पहुंचे, जिससे लोगों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब क्षेत्र में जंगली हाथी की मौजूदगी की जानकारी थी तो वन विभाग की ओर से पहले से पर्याप्त सतर्कता और सुरक्षा व्यवस्था क्यों नहीं की गई।

कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में 95 आमजनों की समस्याओं की हुई सुनवाई

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने अपने कक्ष में भी सुनीं आमजनों की समस्यायें

ग्वालियर (ए.)। कलेक्ट्रेट में मंगलवार को हुई जन-सुनवाई में 95 आमजनों की समस्यायें सुनी गईं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जन-सुनवाई में पहुँचे लोगों को अपने कक्ष में बुलाकर सम्मानपूर्वक एक - एक कर समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट के सभागार में अपर जिला दंडाधिकारी सी बी प्रसाद सहित जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने आवेदकों की समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की। कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में राजस्व, नगर निगम, बिजली, पुलिस इत्यादि विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जमीन संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश सभी एसडीएम व तहसीलदारों को दिए गए हैं। नगर निगम क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं से संबंधित समस्याओं को तत्परता से निराकृत करने की हिदायत भी नगर निगम के अधिकारियों को दी।

सिहोरा स्थित दो रेस्टोरेंट का निरीक्षण

किचन और स्टोर में साफ-सफाई नहीं मिलने पर नोटिस

जबलपुर (ए.)। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार गरुण दल के साथ खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने आज सोमवार को सिहोरा में नेशनल हाईवे पर स्थित पंचवटी एवं सांवरिया रेस्टोरेंट ढाबों की आकस्मिक निरीक्षण किया।खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता ने बताया कि निरीक्षण के दौरान किचन एवं स्टोर में साफ सफाई नहीं पाए जाने पर दोनों रेस्टोरेंट के संचालक को अधिनियम की धारा 32 के अंतर्गत नोटिस जारी किया जा रहा है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि दोनों प्रतिष्ठानों से पनीर, राहर दाल एवं चावल के चार सैंपल भी परीक्षण हेतु लिए गए हैं। सैंपल राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे जा रहे है। परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

व्यापार समाचार

वैश्विक अस्थिरता बढ़ने से सोने और चांदी में लौटी खरीदारी, कीमतें करीब एक प्रतिशत तक बढ़ीं

मुंबई (आरएनएस)। वैश्विक स्तर पर अस्थिरता बढ़ने से सोने और चांदी में मंगलवार को खरीदारी देखने को मिली। इससे दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब एक प्रतिशत तक चढ़ गया है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,52,818 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले बढ़त के साथ 1,53,362 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।

सुबह 10 बजे यह 1,207 रुपए या 0.79 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,54,025 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,53,361 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,54,125 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है।

सोने के साथ चांदी में भी खरीदारी देखी जा रही है।

चांदी का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,39,016 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,40,009 रुपए प्रति किलो पर खुला।

फिलहाल यह 2,185 रुपए या 0.91 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,41,201 रुपए प्रति किलो पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,40,009 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,41,724 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। सोना हल्की तेजी के साथ 4,478 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 67.50 डॉलर प्रति औंस के करीब था।

एक्सपर्ट के अनुसार, अमेरिका-ईरान युद्ध बढ़ने के कारण वैश्विक अस्थिरता के चलते सोने और चांदी में खरीदारी देखने को मिली है। वहीं, दूसरी तरफ तेल की बढ़ती कीमतों ने लगातार बनी हुई महंगाई को लेकर चिंताएं और बढ़ा दी हैं। निवेशक अब फेड की अगली पॉलिसी के बारे में और संकेत पाने के लिए इस हफ्ते आने वाले अमेरिका के महंगाई के आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं। इससे ही आने वाले समय में सोने की दिशा तय होगी।

भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में खुला, रियल्टी और आईटी पर दबाव

मुंबई , (आरएनएस)। भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत मंगलवार को लाल निशान में हुई। सुबह 9:20 पर सेंसेक्स 332 अंक या 0.44 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 75,800 और निफ्टी 86 अंक या 0.36 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,692 पर था।

शुरुआती कारोबार में बाजार में दबाव रियल्टी और आईटी शेयरों में देखा जा रहा था। सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी और निफ्टी आईटी टॉप गेनर्स थे। इसके अलावा निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी ऑटो, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी पीएसयू बैंक भी लाल निशान में थे।

दूसरी तरफ निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी मेटल, निफ्टी पीएसई और निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग हरे निशान में थे।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी कमजोरी देखी गई। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 31 अंक या 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 20,067 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 98 अंक या 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 62,688 पर था।

सेंसेक्स पैक में ट्रेंट, एमएंडएम, सन फार्मा, टीसीएस, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, एचसीएल टेक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, एलएंडटी और एसबीआई लूजर्स थे। बीईएल, इटरनल, अदाणी पोर्ट्स और बजाज फिनसर्व गेनर्स थे।

IPHONE 18 PRO MA& में 7 बड़े बदलाव, 2NM चिप के साथ कल होगा APPLE का सबसे बड़ा धमाका

सैन फ्रांसिस्को (आरएनएस)।एप्पल प्रेमियों का लंबे समय से चल रहा इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। दिग्गज टेक कंपनी एप्पल 9 सितंबर को आयोजित होने वाले अपने सालाना मेगा इवेंट में नई फ्लैगशिप सीरीज पेश करने की तैयारी में है। इस लॉन्च इवेंट में सबसे ज्यादा चर्चा iPhone v} Pro Ma& की हो रही है, जो पिछले मॉडल iPhone v| Pro Ma& के मुकाबले कई क्रांतिकारी हार्डवेयर और परफॉर्मेंस अपग्रेड्स के साथ बाजार में उतर सकता है। इसके साथ ही एप्पल के पहले फोल्डेबल फोन की संभावित एंट्री को लेकर भी टेक जगत में भारी उत्सुकता बनी हुई है।

2nm की सबसे तेज Aw® Pro चिप और वेरिएबल अपर्चर कैमरा सिस्टम

iPhone v} Pro Ma& का सबसे बड़ा आकर्षण इसका प्रोसेसर माना जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इसमें TSMC की अत्याधुनिक wnm प्रोसेस टेक्नोलॉजी पर तैयार की गई Aw0 Pro चिप मिलेगी, जो स्पीड, मल्टीटास्किंग और एआई परफॉर्मेंस को नई

ऊंचाइयों पर ले जाएगी। इसके अलावा फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए सबसे बड़ा बदलाव इसका 'वेरिएबल अपर्चर' मेन कैमरा लेंस होगा। इस तकनीक की मदद से यूजर जरूरत के मुताबिक लेंस में आने वाली रोशनी को नियंत्रित कर सकेंगे, जिससे कम रोशनी और पोर्ट्रेट फोटोग्राफी में डीएसएलआर जैसा आउटपुट मिलेगा।

छोटा डायनामिक आइलैंड और इन-हाउस Cw 5G मॉडेम

डिस्प्ले डिजाइन में भी अहम बदलाव देखने को मिल सकता है। एप्पल कथित तौर पर फेस आईडी के कुछ घटकों को स्क्रीन के नीचे शिफ्ट कर रहा है, जिसके चलते स्क्रीन के ऊपर दिखने वाला 'डायनामिक आइलैंड' पहले से काफी छोटा हो जाएगा और यूजर्स को गेमिंग व वीडियो स्ट्रीमिंग के दौरान अधिक स्क्रीन स्पेस मिलेगा। कनेक्टिविटी के मोर्चे पर फोन में एप्पल का दूसरी पीढ़ी का इन-हाउस C2 मॉडेम दिए जाने की चर्चा है, जो कम बैटरी खपत में सुपरफास्ट 5G स्पीड और मजबूत नेटवर्क कवरेज सुनिश्चित करेगा।

5200mAh से बड़ी बैटरी, अल्ट्रा-ब्राइट OLED स्क्रीन और नया डार्क चेरी शेड

हैवी यूजर्स और गेमर्स को ध्यान में रखते हुए इस बार 5,200mAh से भी बड़ी दमदार बैटरी दी जा सकती है, जो 2nm चिप की पावर एफिशिएंसी के साथ मिलकर लंबा बैकअप देगी। स्क्रीन का साइज 6.9 इंच बरकरार रखते हुए इसकी ब्राइटनेस और आउटडोर विजिबिलिटी में बड़ा सुधार किया गया है। विजुअल लुक की बात करें तो पिछले मॉडल के कॉस्मिक ऑरेंज की जगह इस बार नया और प्रीमियम 'डार्क चेरी' सिग्नेचर प्रो कलर पेश किया जा सकता है।

दुनिया के सबसे बड़े डायमंड बोर्स पहुंचे बेल्जियम के प्रधानमंत्री, 100 साल पुरानी हीरा साझेदारी में नया मील का पत्थर

मुंबई (आरएनएस)। भारत डायमंड बोर्स (बीडीबी) ने पूरे भारतीय हीरा उद्योग की ओर से शुक्रवार को बीकेसी, मुंबई स्थित बोर्स में बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर और उनके आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। यह दोनों देशों के हीरा उद्योगों के बीच 100 साल से अधिक पुरानी साझेदारी में एक ऐतिहासिक नया मील का पत्थर है, क्योंकि यह पहला मौका है जब बेल्जियम सरकार के प्रमुख ने दुनिया के सबसे बड़े ऑपरेशनल डायमंड बोर्स का दौरा किया है।

यह दौरा इसलिए भी और महत्वपूर्ण हो गया क्योंकि यह भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर के तुरंत बाद हुआ है, जिसने दोनों देशों के बीच, विशेष रूप से हीरा और आभूषण क्षेत्रों में, संबंधों और सहयोग को गहरा करने का मार्ग प्रशस्त किया है।

औद्योगिक नेताओं ने कहा कि हीरा वैल्यू चेन में अपनी-अपनी अनूठी स्थिति वाले इन दोनों केंद्रों के बीच आज की यह बातचीत एक नए अध्याय की शुरुआत है। दोनों पक्षों ने उद्योग की अखंडता को मजबूत करने, हीरा व्यापार में विश्वास को बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थायी रूप से बढ़ता रहे, में सहयोग करने और साझा जिम्मेदारी निभाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

भारत और बेल्जियम के बीच घनिष्ठ संबंधों पर जोर देते हुए, बीडीबी के अध्यक्ष अनूप मेहता ने कहा कि दोनों देश एक व्यापारिक साझेदारी से कहीं अधिक साझा करते हैं, क्योंकि कई भारतीय हीरा व्यापारी, विशेष रूप से गुजरात के, एंटवर्प को अपना घर बना चुके हैं।

यूपीआई भारत के पेमेंट इकोसिस्टम का अहम हिस्सा है, आयरलैंड यूरोपीय संघ में इसकी संभावनाएं तलाशने को उत्सुक है : आईडीए आयरलैंड

मुंबई(ए.)। भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की वैश्विक सफलता अब यूरोपीय देशों का भी ध्यान आकर्षित कर रही है। आयरलैंड की निवेश प्रोत्साहन एजेंसी आईडीए आयरलैंड के फिनटेक एवं पेमेंट्स प्रमुख सीन मैकविलियम्स ने सोमवार को कहा कि आयरलैंड यूपीआई की तेज प्रगति को समझना चाहता है और यह भी जानना चाहता है कि इस मॉडल का उपयोग आयरलैंड, यूरोपीय संघ (ईयू) और अन्य बाजारों में किस प्रकार किया जा सकता है। मुंबई में आयोजित ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल के दौरान न्यूज एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में मैकविलियम्स ने कहा कि भारत की यात्रा का उनका मुख्य उद्देश्य देश के तेजी से विकसित हो रहे फिनटेक और डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र को समझना है। साथ ही वे यह भी जानना चाहते हैं कि अंतरराष्ट्रीय विस्तार की योजना बना रही भारतीय कंपनियों के लिए आयरलैंड किस प्रकार सहयोगी भूमिका निभा सकता है।

उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि यूपीआई आज भारत की भुगतान व्यवस्था का एक केंद्रीय स्तंभ बन चुका है और दुनिया भर के देश ऐसे समाधानों की तलाश कर रहे हैं जो भुगतान को अधिक सरल, तेज, सुलभ और सुविधाजनक बना सकें।

मैकविलियम्स ने कहा, मैं विशेष रूप से यह समझने में रुचि रखता हूं कि भारत में यूपीआई की सफलता का आयरलैंड और यूरोपीय संघ के लिए क्या महत्व हो सकता है। साथ ही यह भी देखना चाहता हूं कि आयरलैंड में हो रहे फिनटेक नवाचारों और यूपीआई मॉडल के बीच किस प्रकार की संभावित समानताएं या सहयोग के अवसर मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान क्षेत्र में भारत द्वारा हासिल की गई प्रगति दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण अध्ययन का विषय बन चुकी है। भारत ने बड़ी आबादी को डिजिटल वित्तीय सेवाओं से जोड़ते हुए भुगतान प्रणाली को व्यापक और समावेशी बनाया है, जिससे अन्य देशों को भी महत्वपूर्ण सीख मिल सकती है।

मैकविलियम्स ने बातचीत के दौरान आयरलैंड की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) रणनीति का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि आयरलैंड ने हाल ही में राष्ट्रीय एआई रणनीति शुरू की है, जिसका उद्देश्य देश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एआई नवाचार का प्रमुख केंद्र बनाना है। उन्होंने कहा कि इस रणनीति का फोकस उभरती प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने, कौशल विकास, प्रतिभा निर्माण और जिम्मेदार व नियामक ढांचे के भीतर नवाचार को प्रोत्साहित करने पर है।

SBI में नौकरियों की बहार, 12 हजार पदों पर बंपर भर्ती की तैयारी; चेयरमैन ने दिए बड़े संकेत

नई दिल्ली (ए.)। बैंकिंग क्षेत्र में सरकारी नौकरी का सपना देख रहे लाखों युवाओं के लिए बहुत बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) में बड़े पैमाने पर नई नियुक्तियों का रास्ता साफ हो गया है। बैंक के चेयरमैन सीएस सेट्टी ने संकेत दिए हैं कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक क्लर्क और ऑफिसर कैडर में लगभग 11,000 से 12,000 नए कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। बैंक की आवश्यकता और आगामी रिटायरमेंट के आधार पर इन पदों की संख्या में फेरबदल भी संभव है।

देशभर में 250 नई शाखाएं खोलने की योजना, बढ़ेगी मैनपावर की जरूरत

एसबीआई न केवल रिक्त पदों को भरने की दिशा में काम कर रहा है, बल्कि अपने बैंकिंग नेटवर्क का भी तेजी से विस्तार कर रहा है। बैंक प्रबंधन वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान देशभर में करीब 200 से 250 नई शाखाएं खोलने की योजना पर आगे बढ़ रहा है। छोटे-बड़े शहरों के अलावा नए विकसित हो रहे आवासीय इलाकों और उभरते वाणिज्यिक केंद्रों तक पहुंच बनाने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की भारी दरकार होगी, जिसे देखते हुए इस भर्ती अभियान को बेहद अहम माना जा रहा है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

नीति में उचित बदलाव लाए

पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बढ़ाने की नीति के गंभीर परिणाम सामने होने के बावजूद सरकार में इस नीति पर पुनर्विचार के संकेत नहीं हैं। जबकि उचित यह होगा कि वह इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न ना बनाए।

केंद्र के इस दावे पर यकीन करना कठिन है कि चीनी आयात के फैसले का पेट्रोल में इथेनॉल की मिलावट से कोई संबंध नहीं है। अभी हाल तक अच्छी फसल वाले साल में भारत 70 लाख टन तक चीनी का निर्यात करता था। अब दस लाख टन चीनी आयात करने की नौबत आई है। गणित सीधा है। खबरों के मुताबिक 28 फीसदी इथेनॉल का उत्पादन गन्ने से हो रहा है। अनुमान है कि जितना गन्ना इसमें लगा, उससे 30 लाख टन चीनी बन सकती थी। ऐसा होता, तो देश में मांग की तुलना लगभग 20 लाख टन अतिरिक्त चीनी उपलब्ध रहती।

इसलिए इस धारणा में दम है कि वाहनों में ईंधन के रूप इथेनॉल के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की गुमराह नीति विदेशी मुद्रा की किल्लत के दौर में चीनी जैसी सामान्य वस्तु के आयात के लिए जिम्मेदार है। लेकिन बात यहीं तक नहीं है। चावल जैसे आम अनाज का भी इथेनॉल उत्पादन में इस्तेमाल बढ़ रहा है। खबरों के मुताबिक बीते अप्रैल-जुलाई के बीच भारतीय खाद्य निगम ने इस मकसद से 23.42 लाख टन चावल बेचा। वित्त वर्ष 2025-26 में इससे दो गुना चावल इसके लिए बेचा गया था। इस रुझान में किस तेजी से वृद्धि हुई है, इसे जानने के लिए इस पर गौर करना पर्याप्त होगा कि 2023-24 तक महज 8.96 लाख टन चावल का इथेनॉल उत्पादन में इस्तेमाल हुआ था। इस उद्देश्य के लिए मक्के का उपयोग भी बढ़ा है।

संभवत: ऐसी ही सूचनाओं से चिंतित होकर कुछ रोज पहले नरेंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागश्वेरन ने एक अखबार में लेख लिख कर अपनी चिंता जताई थी। उन्होंने इथेनॉल उत्पादन में बड़े पैमाने पर पानी के इस्तेमाल को लेकर भी आगाह किया था। तब तक चीनी आयात का फैसला सामने नहीं आया था। अब चूंकि इथेनॉल का यह परिणाम सामने है, तो बाकी चिंताएं भी अधिक गंभीर हो गई हैं। मगर सरकार के अंदर पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बढ़ाने की नीति पर पुनर्विचार के संकेत नहीं हैं। जबकि उचित यह होगा कि बिना प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाए वह तुरंत इस नीति में उचित बदलाव लाए।

राम मंदिर और तीन तलाक दोनों चुनाव प्रचार का मुद्दा

हरिशंकर व्यास

प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की उन उपलब्धियों की बात करें, जो सचमुच बताने लायक हैं या जिन्हें सही अर्थों में उपलब्धि कह सकते हैं तो उसमें सबसे पहले जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35ए हटाने का फैसला है। हालांकि इन्हें हटाने से पहले भी इनका असर बहुत कम रह गया था। फिर भी इन दोनों को हटाना बड़ा फैसला था। अनुच्छेद 370 हटाने और राज्य का विभाजन करने के बाद वहां शांति बनाए रखना और आतंकवादी घटनाओं को तुलनात्मक रूप से कम कर देना बड़ी उपलब्धि है। हालांकि उसके बाद जो बदलाव होने चाहिए थे और जम्मू कश्मीर को जिस तरह भारत की मुख्यधारा से जुड़ना चाहिए था वह नहीं हो सका।

इसी तरह नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए एक वास्तविक उपलब्धि है। जिस तरह दुनिया में यहूदियों के लिए एक देश इजराइल है वैसे ही हिंदुओं के लिए एक देश भारत है। इसलिए यह कानून होना चाहिए कि अगर कोई हिंदू कहीं से प्रताड़ित होकर भारत आता है तो उसे नागरिकता मिले। इस दिशा में सीएए से एक पहल हुई। हालांकि यह कानून सिर्फ पड़ोस के इस्लामिक देशों से आने वाले गैर मुस्लिमों के लिए है फिर भी यह अच्छी पहल है। हालांकि सरकार ने कानून बनाने के बाद पांच साल तक इसके नियम अधिसूचित नहीं किए और जब किए भी तो पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से प्रताड़ित होकर भारत आए गैर हिंदुओं को नागरिकता देने की रफ्तार बहुत धीमी और प्रक्रियागत परेशानियां ज्यादा हैं।

ऐसे ही राम मंदिर के निर्माण को कम से कम भाजपा के नजरिए से उपलब्धि कह सकते हैं क्योंकि भाजपा ने इसे दशकों पहले अपना राजनीतिक मिशन बनाया था। हर चुनाव में घोषणापत्र में इसे शामिल किया जाता था।

हवा की परीक्षा में शहर टॉप, साँसों की कॉपी कौन जाँचेगा?

[हवा का हिसाब कागज पर, दर्द का हिसाब फेफड़ों में]

प्रो. आरके जैन अरिजीत

लखनऊ ने करोड़-प्लस आबादी वाले शहरों में स्वच्छ वायु सर्वेक्षण का नंबर-एक तमगा हासिल कर लिया है। बधाई! अब शायद हवा भी सरकारी प्रमाणपत्र लेकर चलेगी—देखिए, मैं देश की सबसे साफ हवा हूँ। खबर खुशी देती है, मगर पीछे एक कड़वी हँसी भी सुनाई देती है। हमारे यहाँ रैंकिंग का बड़ा जलवा है। नंबर मिलते ही उपलब्धि, प्रमाणपत्र मिलते ही समस्या खत्म! लखनऊ स्वच्छ वायु का सम्राट घोषित है। मगर असली सवाल दरबार के बाहर खड़ा है—यह ताज हवा के लिए है या रिपोर्ट के लिए? नागरिक हवा साँस में भरता है, व्यवस्था उसे आंकड़ों में।एक समय था जब शहर अपनी तहजीब, संस्कृति और पहचान से जाने जाते थे।

अब महानगरों की नई पहचान है—कौन कितनी जहरीली हवा देता है। दिल्ली इस दौड़ में लंबे समय से चर्चित रही, मुंबई, कोलकाता और कानपुर भी पीछे नहीं रहे। ऐसे माहौल में लखनऊ का नंबर-एक पर पहुँचना सुखद है। विशेषज्ञों के अनुसार साफ परिवहन, धूल नियंत्रण, बेहतर कचरा प्रबंधन और हरियाली बढ़ाने के प्रयासों ने यह उपलब्धि दिलाई है। इन प्रयासों का स्वागत होना चाहिए। लेकिन सड़क पर निकलते ही एक दूसरा विशेषज्ञ मिलता है—आम नागरिक। उसकी आँखों में धूल, नाक में धुआँ और साँस में जलन है। वह पूछता है—अगर हवा सचमुच साफ हो गई है, तो मेरा अनुभव अब भी इतना धुँधला क्यों है? सरकारों को रैंकिंग से बड़ा प्रेम है। नंबर-एक मिलते ही

भाषणों के फूल खिलते हैं, कैमरे चमकते हैं और उपलब्धियों की सूची लंबी हो जाती है। लगता है, जैसे प्रदूषण ने खुद आत्मसमर्पण कर दिया हो। मगर शहर की असली परीक्षा सभागार में नहीं, रिक्शा खींचते आदमी की साँस में होती है। स्कूल जाते बच्चे के सीने में होती है। उस बुजुर्ग की सुबह की सैर में होती है, जिसे थोड़ी दूर चलते ही खाँसी घेर लेती है। सवाल सीधा है—क्या उनकी साँस अब आसान हुई? अगर नहीं, तो रैंकिंग खुशी की खबर जरूर है, पर सफलता की मुहर अभी बाकी है।हमारी व्यवस्था की अद्भुत कला है—बीमारी मिटाने से पहले उसकी रिपोर्ट सुधार देना। आदमी बीमार हो तो दवा चाहिए, मगर थर्मामीटर बदल देने से कागज पर बुखार जरूर उतर सकता है। प्रदूषण के मामले में खतरा यही है। आंकड़े सुधरें, अच्छी बात है; मगर हवा सुधरे, असली बात यह है। जिस बच्चे को अस्थमा की दवा चाहिए, उसके सामने नंबर-एक की रैंकिंग रख देने से सीना स्वस्थ नहीं होगा। जिस माँ को बच्चे को स्कूल भेजते समय मास्क पहनाना पड़े, उसके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार कोई पदक नहीं, बच्चे की बेफिक्र साँस है। आंकड़ा तभी सार्थक है, जब उसका असर इंसान की जिंदगी में दिखे। हरियाली बढ़ाने की घोषणाएँ हुईं, पेड़ लगाए गए। मगर सवाल है—कितने पेड़ बने और कितने सिर्फ तस्वीरों में खड़े रह गए? धूल रोकने के लिए सड़कों पर पानी छिड़का जाता है। पानी सूखते ही धूल फिर नाचने लगे तो यह इलाज नहीं, धूल को थोड़ी देर की छुट्टी है। कचरा प्रबंधन के वाहन दौड़ते हैं, मगर नाले कचरे से पटे रहें तो सफाई अधूरी है। इलेक्ट्रिक बसें प्रदूषण घटाने की अच्छी पहल हैं, लेकिन पूरा शहर ट्रैफिक जाम में फँसा हो तो समस्या सिर्फ बस के इंजन की नहीं, पूरी यातायात व्यवस्था की है। हवा साफ करनी है तो एक स्रोत नहीं, प्रदूषण की पूरी श्रृंखला पर प्रहार करना होगा।हमने जीवन को आंकड़ों में बदलने की ऐसी आदत डाल ली है कि अब खुशहाली का सूचकांक है और हवा की भी रैंकिंग। संख्या जरूरी है, क्योंकि मापे बिना सुधार का पता नहीं चलता। मगर संख्या को जीवन का पर्याय मान लेना भूल है। लखनऊ का नागरिक अखबार में पढ़ता है कि उसके शहर की हवा नंबर-एक है और उसी सुबह धूल से बचकर सड़क पार करता है। रात को खाँसी आए तो अखबार की वह खबर गले नहीं उतरती। यहीं आंकड़े और अनुभव आमने-सामने खड़े होते हैं। शहर सेंसर और सर्वेक्षण से नहीं, उसमें बसने वाले लोगों की साँस से सचमुच साफ साबित होता है।फिर भी लखनऊ की उपलब्धि को कमतर आँकना उचित नहीं। किसी शहर ने प्रदूषण के विरुद्ध कदम उठाए हैं तो उसकी सराहना होनी चाहिए। साफ परिवहन, धूल नियंत्रण, कचरा प्रबंधन और हरियाली की दिशा में हुए कामों को और मजबूत करना होगा। मगर नंबर-एक को मंजिल मान लेना सबसे बड़ी भूल होगी। यह पुरस्कार उत्सव से अधिक जिम्मेदारी का प्रमाण बने। ताज मिल गया है तो अब उसे चमकाने से ज्यादा उसके नीचे के सिर को सुरक्षित रखने की चिंता होनी चाहिए। वरना तस्वीर वही रहेगी—सिर पर सोने का मुकुट और फेफड़ों में धूल।स्वच्छ वायु का सबसे सच्चा सर्वेक्षण किसी कार्यालय में नहीं, हर नागरिक के सीने में होता है। जब बच्चा बिना खाँसे खुले मैदान में खेल सके, बुजुर्ग बिना साँस फूले सुबह टहल सके, मजदूर दिनभर मेहनत करके भी हवा को अपना दुश्मन न समझे—तभी मानिए लखनऊ सचमुच नंबर-एक है। रैंकिंग उपलब्धि है, लेकिन असली परीक्षा अब शुरू हुई है। लखनऊ ने कागज पर पहला स्थान पा लिया; अब उसे यह स्थान लोगों की साँस में दर्ज करना है। कागज की जीत पर तालियाँ बज सकती हैं, मगर दिल तभी खुश होता है जब साँस बेखौफ हो। शहर की सबसे बड़ी रैंकिंग यही है—उसके नागरिक कितनी आजादी से साँस लेते हैं।

विकास के आंकड़ों की जांच-परख

डॉ. सौरभ गर्ग और डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन

अभिषेक आनंद, जोश फेल्मन और अरविंद सुब्रमण्यन ने यह पूछा है कि जिस तिमाही में ऊर्जा के क्षेत्र में जोरदार झटके लगे हों, उसमें भारत की विकास दर आखिर 7.8 प्रतिशत कैसे हो सकती है। बेशक, यह एक उचित सवाल है। इसका एक जवाब भी है और वह जवाब पिछले कुछ वर्षों से सबके सामने ही है।

समय से ही शुरुआत करते हैं। इस तिमाही की अवधि अप्रैल से जून 2026 तक थी। इससे ठीक पहले ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका एवं इजराइल के बीच का संघर्ष चरम पर पहुंच गया था। तेल की कीमतों में जोरदार उछाल आया और भारत ने इसका असर महसूस किया। हालांकि मार्च और अप्रैल के शुरुआती दिनों में इस जबरदस्त व्यवधान में कमी आई। मई आते-आते दबाव के बदल छंट गए। जून तक, मुश्किल दौर बीत चुका था। तीन महीने वाली तिमाही की शुरुआत के कुछ मुश्किल हफ्ते उस तिमाही के आंकड़ों को मनगढ़ंत नहीं बना देते।

उन महीनों के सबूत एक ही दिशा की ओर इशारा करते हैं। ऑटोमोबाइल की बिक्री में निरंतर बढ़ोतरी हुई। एक प्रतिस्पर्धी मुद्रा की मदद से बैंक ऋण और निर्यात में बढ़ोतरी हुई। जीएसटी की दरों में कटौती के बावजूद, इसका संग्रह मजबूत बना रहा और हाल ही समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में इसमें 8.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। 2025-26 तक के तीन वर्षों में, जीएसटी के सकल संग्रह में 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि 'नॉमिनल जीडीपी' में 31.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ये दोनों आंकड़े बिल्कुल अलग-अलग क्षेत्रों से आए हैं और दोनों ही लगभग एक-दूसरे से मेल खाते हैं। जीएसटी रिटर्न कंपनियां दाखिल करती हैं। ऋण संबंधी आंकड़े बैंकों से आते हैं। व्यापार के आंकड़े बंदरगाहों से आते हैं। इनमें से कोई भी आंकड़ा सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा तैयार नहीं किया जाता है।

अर्थव्यवस्था आखिर टिकी क्यों रही? क्योंकि कई सुधारों को एक साथ अपनाया गया। वर्ष 2022-23 के बाद से केन्द्र सरकार का पूंजीगत व्यय 65 प्रतिशत बढ़ा है और इस वर्ष इसमें 11.5 प्रतिशत और बढ़ोतरी का बजट रखा गया है। एक दशक में बनाई गई सड़कें, बंदरगाहें और बिजली संयंत्र तेल के महंगे होने पर ठप्प नहीं पड़े। डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे ने अनौपचारिक गतिविधियों के एक बड़े हिस्से को औपचारिक बनाया और उन्हें मापी जा सकने वाली अर्थव्यवस्था में शामिल किया है। दिवाला संहिता ने डूबे हुए कर्ज (बैड डेट) से निपटने के बैंकों और कंपनियों के तौर-तरीकों को बदल दिया। रियल एस्टेट कानून ने उस सेक्टर को साफ-सुथरा बनाया, जो कभी अटकी हुई परियोजनाओं और पैसे के अपारदर्शी लेन-देन के लिए जाना जाता था। 'द इकोनॉमिस्ट' ने 2023 में उस सफाई अभियान का उल्लेख किया था। उसने नई दिल्ली पर कोई मेहरबानी नहीं की थी।

इसके बाद, तेल की कीमतों में अचानक आए उछाल से निपटने के लिए सरकार ने जो कुछ किया, वह भी सामने है। उसने कीमतों में हुई बढ़ोतरी का बोझ आम परिवारों और कंपनियों पर नहीं डाला। उसने इसकी लागत खुद वहन की। राजकोषीय गुंजाइश (फिस्कल स्पेस) का उद्देश्य ही यही है और भारत ने इसे तैयार किया है। इसका सबूत 2 सितंबर को मिला। जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने भारत की रेटिंग को बीबीबी+ से बढ़ाकर ए- कर दिया और इसके साथ ही स्थिर संभावना भी जताई। इसके अलावा, देश की रेटिंग सीमा (कंट्री सीलिंग) को भी ए कर दिया। भारत को तीन दशकों से अधिक समय से 'ए' रेटिंग नहीं मिली है। एजेंसी ने डिजिटल सार्वजनिक ढांचे, जीएसटी, दिवाला संहिता और सकल गैर-निष्पादित ऋण अनुपात (ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग लोन रेश्यो) के 1.8 प्रतिशत तक कम होने का उल्लेख किया। उसने यह भी कहा कि केन्द्र सरकार ने उच्च पूंजीगत व्यय को जारी रखते हुए भी अपने राजकोषीय घाटे को वित्तीय वर्ष 2025 में जीडीपी के 4.7 प्रतिशत से घटाकर वित्तीय 2026 में 4.4 प्रतिशत कर लिया। टोक्यो स्थित एक रेटिंग समिति के लिए दिल्ली में किसी को खुश करने की कोई वजह नहीं है। उन्होंने भी उन्हीं सुधारों को देखा और वही नतीजा निकाला।

अब आलोचना के मुख्य बिंदु पर आते हैं। लेखकगण पूछते हैं कि अगर आज ये संकेतक 7.8 प्रतिशत की विकास दर को सही ठहराते हैं, तो पूर्व के वर्षों में वैसी ही विकास दर कमजोर संकेतकों के साथ क्यों संभव हुई थी? यह मान लेना कि विकास हमेशा एक जैसी चीजों से ही संभव होती है, जरूरी नहीं है। निर्यात और औपचारिक ऋण से प्रेरित तिमाही, घरेलू खर्च या सरकारी निवेश से चलने वाले वर्ष जैसी नहीं होगी। पूर्व के वर्षों में विकास के अपने कारण थे, जो उस समय साफ दिख रहे थे। वर्ष 2024-25 तक, शेयर बाजार तेजी से चढ़ा और अधिक संख्या में भारतीयों ने निवेश करना शुरू किया। वर्ष 2022-23 और 2024-25 के बीच परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत में 60 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई। गैर-बैंक और तकनीक-आधारित ऋणदाता तेजी से बढ़े। वाणिज्यिक क्षेत्र में कुल संसाधनों का प्रवाह तीन वर्षों में 72 प्रतिशत बढ़ा, जिसमें गैर-बैंकों की हिस्सेदारी 96 प्रतिशत बढ़ी। ये असली कारण थे। बस, वे अलग थे।मार्च 2023 से मार्च 2026 के बीच सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को दिए गए बकाया ऋण में 66.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। जुलाई 2026 में भी यह बढ़ोतरी लगभग 25 प्रतिशत की दर से जारी थी। ऐसा कहा जाता है कि ऊर्जा की कीमतों में अचानक उछाल से छोटी कंपनियों को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। लेकिन उन्हें ऋण देने वाले इस बात से सहमत नहीं दिखते। ऋणदाता आम तौर पर उन कंपनियों को ऋण नहीं देते, जिनके असफल होने की आशंका होती है।लेखकों के तर्क की तह में यह बात छिपी है कि सांख्यिकी मंत्रालय का काम सरकार की छवि को बेहतर दिखाना है। लेकिन आंकड़े इस बात की पुष्टि नहीं करते। वर्ष 2023-24 के लिए, मंत्रालय ने विकास दर के अनुमान को 9.2 प्रतिशत (पुरानी श्रृंखला के तहत) से घटाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया था। यानी, उन्होंने खुद ही लगभग दो प्रतिशत अंक कम कर दिए।

अन्य आरोपों के मामले में भी गणित खिलाफ जाता है

वर्ष 2024-25 में, नई श्रृंखला के तहत नॉमिनल जीडीपी की विकास दर पुरानी श्रृंखला के मुकाबले कम रही - 9.8 प्रतिशत के मुकाबले 9.4 प्रतिशत - जबकि असल विकास बढ़ी। नॉमिनल जीडीपी सरकार के राजकोषीय लक्ष्यों का आधार होती है। सरकार सबसे ज़्यादा इसी आंकड़े को ऊंचा रखना चाहती है। अगर कोई मंत्रालय आंकड़ों में हेरफेर करता है, तो वह ऐसा अपनी कीमत पर नहीं करता। वर्ष 2024-25 और 2025-26 को मिलाकर देखें, तो नई श्रृंखला के तहत औसत असल विकास दर 7.0 प्रतिशत से बढ़कर 7.5 प्रतिशत हो जाती है। यह आधा प्रतिशत अंक अधिक है। अगर तीन वर्षों - 2023-24 से 2025-26 - को लें, तो नई में औसत ग्रोथ पुरानी श्रृंखला के मुकाबले कम है - 7.7 प्रतिशत के मुकाबले 7.4 प्रतिशत।

मेष राशि- आज आपका दिन महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने में बीतेगा। आपके पारिवारिक जीवन में सौहार्द्र की वृद्धि होगी। आज कोई बड़ी जिम्मेदारी का निर्वाहन करना पड़ सकता है। आज धन लाभ के मौके हाथ लगेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी। वैवाहिक जीवन में आपसी लगाव बढ़ेगा।

वृष राशि- आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज किसी रिश्तेदार को दिए रुपए आपको वापस मिलेंगे। सोचे हुए कार्यों में उनका इस्तेमाल करेंगे। मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज अच्छा लाभ मिलेगा। प्राइवेट जॉब करने वाले लोगों को आज प्रमोशन से जुडी अच्छी खबर मिल सकती है। आज संतान पक्ष से आपको सुखद अनुभूति होगी।

मिथुन राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को आज थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है, सफलता मिलने के योग बने हुए हैं। ऑफिस में फोन का उपयोग कम करें, अन्यथा आपकी छवि खराब हो सकती है। आज किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या को लेकर अच्छे डॉक्टर से संपर्क करेंगे।

कर्क राशि- आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के बेहतर परिणाम हासिल होंगे। दांपत्य जीवन में खुशी का माहौल बनेगा। धार्मिक कार्यों में आज आप बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे।

सिंह राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपको कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी, रुकावट भरे कार्य पूरे होंगे। दांपत्य जीवन में आपसी तालमेल बढ़ेगा। किसी कार्य में घरवाले आपकी तारीफ करेंगे।

कन्या राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी, आज आपकी पहले से चल रही को ईएमआई आज पूरी होगी। आज फैशन डिजाइनर्स का दिन बेहतर रहेगा। आज कोई ऑनलाइन बड़ा ऑर्डर आपको मिलेगा।

तुला राशि- आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज आपको खानपान का खास ख्याल रखना चाहिए। आपकी आमदनी की अपेक्षा आपके खर्चों में बढ़ोतरी होगी। आज किसी नए कार्य में आपकी रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। आज किसी कार्य में आपके प्रयत्न सफल रहेंगे, मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के जो अविवाहित हैं उनके विवाह के लिए अच्छे रिश्ते आयेंगे। आज दोस्त आपका मनोबल बढ़ाएंगे, उनसे अपने मन की बात शेयर करेंगे।

धनु राशि- आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज पारिवारिक रिश्ते में अच्छा ताल-मेल बना रहेगा। आज आपका आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बनेगा। आप अपने किसी क्लाइंट से विडियो कॉल करके मीटिंग करेंगे। इस राशि के लोगों को आज के दिन कम्प्यूटर से संबंधी सामान खरीदना शुभ है। आज आपका कोई रिश्तेदार आपके लिए उपहार लेकर आयेगा।

मकर राशि- आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। पहले से चली आ रही पारिवारिक अनबन आज समाप्त होगी। आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। कोई नया वाहन लेने का विचार आज आप अपने परिवार वालों के साथ करेंगे।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। घर के बड़ों से आगे बढ़ने की राय मिलेगी, जो आगे चलकर आपके काम आयेगी। किसी राइटर की बुक आज पब्लिश होगी, जिसके लिए उसको अवॉर्ड मिलेगा। अपने आप को एकदम फिट एंड फाइन रखने के लिए एक्सरसाइज करें।

मीन राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी खास मेहमान के स्वागत सत्कार में आप व्यस्त रहेंगे और परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। बिजली व्यापारियों की आमदनी में बढ़ोतरी होगी। इस राशि के जो लोग अपने करियर की नई शुरुआत करने की सोच रहे है।

जीतने की संस्कृति में जीने की जगह बची है क्या?

किसी के चले जाने के बाद नहीं, रहते हुए उसकी कद्र हो समाज को मजबूत इमारतों से पहले मजबूत रिश्ते चाहिए

कृति आरके जैन

सितंबर केवल आत्महत्या निवारण दिवस नहीं, हमारी संवेदना की परीक्षा है। हर वर्ष हम संकल्प लेते हैं, संदेश दोहराते हैं—'दृष्टिकोण बदलो'; पर सवाल है, क्या हम उस मौन को सुनते हैं, जो संकट में घिरे मन के भीतर उठता रहता है? त्रासदी अकेले पड़े व्यक्ति में नहीं, उस भीड़ में है जो पास होकर भी उसका दर्द नहीं देखती। चमकते भारत के नीचे स्क्रीन की नीली रोशनी, अंधी प्रतिस्पर्धा, बेरोजगारी, कर्ज, टूटते रिश्ते और संस्थागत चुप्पी एक ऐसी अनदेखी थकान बुन रहे हैं, जिसका संकट अक्सर दिखाई देने से पहले ही गहरा चुका होता है। शायद निवारण की पहली शर्त यही है कि किसी के टूटने की खबर मिलने से पहले हम उसके भीतर उठती हल्की-सी दरार को पहचानना सीखें।जब अंक विद्यार्थी की पहचान बन जाएं, तो शिक्षा के बीच से मनुष्य गायब होने लगता है। आईआईटी जैसे संस्थानों की हाल की घटनाओं को केवल परीक्षा-तनाव कह देना आसान है, पर असली सवाल इससे बड़ा है—क्या हमारी श्रेष्ठ शिक्षा-व्यवस्था श्रेष्ठ मनुष्य गढ़ रही है या केवल बेहतर प्रदर्शनकर्ता? जब मेधा अंकपत्र में सिमट जाए और मानसिक स्वास्थ्य व्यवस्था औपचारिकता बनकर रह जाए, तब संकट की जड़ अनदेखी ही रहती है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित राष्ट्रीय टास्क फोर्स ने समस्या की गंभीरता को राष्ट्रीय चिंता बनाया है, फिर भी मूल प्रश्न कायम है—क्या हमारी व्यवस्था विद्यार्थी से सफल होने की अपेक्षा करने से पहले उसे अपनी पीड़ा कहने की जगह देती है? वर्दी देश की रक्षा करती है, मगर उसके भीतर धड़कता मन भी थकता है। सीआरपीएफ जैसे बलों में 2025 में दर्ज सबसे अधिक आत्महत्या की घटनाएं बताती हैं कि रक्षक भी मानसिक दबाव से अछूते नहीं। लंबी ड्यूटी, निरंतर तनाव, परिवार से दूरी और मनोवैज्ञानिक सहारे का अभाव ऐसा बोझ बन जाते हैं, जिसे केवल अनुशासन नहीं उठा सकता। राष्ट्र जवान से साहस मांगता है, तो उसे यह भरोसा भी देना होगा कि मदद मांगना कमजोरी नहीं। जांच और रिपोर्टों से आगे संस्थागत संवेदना जरूरी है; क्योंकि जो व्यवस्था अपने रक्षकों की थकान नहीं सुनती, वह केवल हथियारों और आदेशों से सुरक्षा मजबूत नहीं कर सकती। मोबाइल ने दुनिया हथेली पर रख दी, पर मनुष्य को कई बार अपने ही भीतर से दूर कर दिया। सोशल मीडिया के चमकीले दर्पण में दूसरों की सफलता दिखती है, अपनी जद्दोजहद नहीं; यही अंतर युवा मन को लगातार तुलना में धकेलता है। बेरोजगारी, कर्ज, पारिवारिक तनाव और टूटते रिश्ते जुड़ें तो अकेलापन भावना नहीं, सामाजिक संकट बन जाता है। कर्नाटक में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को अस्पतालों से निकालकर समुदाय और पंचायतों तक ले जाने के प्रयास इसी दिशा में जरूरी कदम हैं। क्योंकि समाधान केवल विशेषज्ञ के कमरे में नहीं, समाज के बीच भी होना चाहिए। हेल्पलाइन जरूरी है, पर सबसे पहली मदद वही है—जब एक मन दूसरे मन के लिए सचमुच मौजूद हो।सबसे खतरनाक दीवार ईंटों की नहीं, उदासीनता की होती है—'मैंने तो कुछ देखा ही नहीं।' मीडिया की जिम्मेदारी भी यहीं से शुरू होती है। किसी त्रासदी को सनसनी बनाना संवेदना का सौदा है, और उसे अनदेखा करना जिम्मेदारी से पलायन। पत्रकारिता को घटना के रोमांच से अधिक उसके सामाजिक कारण और असर देखने होंगे। घरों में भी संवाद सूख रहा है—हम पूछते हैं, 'कितने अंक आए?', 'काम कैसा चल रहा है?', पर कम ही पूछते हैं, 'मन कैसा है?' कभी मिलना-जुलना, उत्सव, सत्संग और पड़ोस का अपनापन सहारा देते थे; अब उनकी जगह अक्सर औपचारिक संदेशों ने ले ली है। टेली-मानस जैसी सेवाएं जरूरी हैं, पर घर और समाज की सुनने वाली संवेदना का कोई विकल्प नहीं।किसी एक व्यक्ति का संकट अक्सर पूरे समाज के बिगड़ते स्वास्थ्य का संकेत होता है। उसे निजी बीमारी मान लेना वैसा ही है जैसे बुखार देखकर कारण भूल जाना। ये घटनाएं बता रही हैं कि हमें प्रतिस्पर्धा से सहयोग, अंकों से समग्र विकास और मौन से संवाद की ओर लौटना होगा। शिक्षा में मानसिक स्वास्थ्य जीवन-कौशल बने, कार्यस्थलों पर नियमित संवाद और भरोसेमंद सहायता मिले, और परिवार समझें कि हर चुप्पी शांति नहीं, हर मुस्कान सुख नहीं। केवल जागरूकता के पोस्टर नहीं, व्यवस्था का ढांचा बदलना होगा।संकट अक्सर दस्तक देकर नहीं आता, व्यवहार की एक महीन दरार बनकर दिखता है। मित्र का अचानक अलग-थलग पड़ना, विद्यार्थी का कक्षा से कटना या सहकर्मी का असामान्य रूप से चुप हो जाना—इन्हें 'निजी मामला' कहकर टाल देना हमारी सामूहिक चूक है। हर समस्या का उत्तर हमारे पास हो, यह जरूरी नहीं; किसी की बात सुनने के लिए समय होना जरूरी है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

बुधवार, 09 सितम्बर 2026, नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

मणिपुरी संगीतकार की मौत पर राहुल गांधी ने जताया दुख, बोले-दोषियों को मिले सजा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मणिपुरी संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह की मौत पर शोक जताया है और मामले की तेजी से जांच कर न्याय की मांग की है। संगीतकार की मौत उनके अपार्टमेंट के बाहर कुछ डिलीवरी वर्कर्स और ढाबा कर्मचारियों द्वारा किए गए हमले के बाद हुई थी। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मणिपुर के प्रसिद्ध संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह अपने घर के बाहर कुछ लोगों से शोर कम करने के लिए कहने नीचे गए थे। इसके लिए उन्हें पीट-पीटकर मार डाला गया। उन्होंने लिखा, एक पिता, अपने ही देश की राजधानी में, अपने ही घर के बाहर मारा गया। ऐसी कई घटनाओं के बाद, आज दिल्ली में हर नॉर्थईस्ट परिवार एक ही सवाल पूछ रहा है - क्या हम यहां सुरक्षित हैं?

राहुल गांधी ने इस घटना को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय और दिल्ली पुलिस पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, बढ़ती अराजकता, खासकर नॉर्थ-ईस्ट के लोगों के खिलाफ, को रोकने के लिए अमित शाह का गृह मंत्रालय और दिल्ली पुलिस क्या कर रही है? इसकी तेजी से जांच होनी चाहिए और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। चोंगथम विक्रम के परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं।

अधिकारियों के अनुसार, 54 वर्षीय मणिपुरी संगीतकार की मौत सोमवार तड़के किलोकरी गांव में उनके अपार्टमेंट के बाहर हुई। आरोप है कि जब उन्होंने बाहर शोर मचाने और शराब पीने पर आपत्ति जताई तो डिलीवरी वर्कर्स और ढाबा स्टाफ के एक समूह ने उन पर हमला कर दिया।

पुलिस ने इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है और एक नाबालिग को भी पकड़ा है। सनलाइट कॉलोनी पुलिस स्टेशन को सी. विक्रम सिंह पर हुए हमले के बारे में पीसीआर कॉल मिली थी, जो मणिपुर के मूल निवासी थे और कई सालों से किलोकरी गांव में रह रहे थे।

शुरुआती जांच में पता चला कि चोंगथम विक्रम सिंह ने अपने घर के बाहर हंगामा कर रहे लोगों के एक समूह पर आपत्ति जताई थी। पुलिस के अनुसार, लोगों ने उन्हें घूंसे और थप्पड़ों से पीटा, जिससे उन्हें चोटें आईं।

चोंगथम विक्रम सिंह के बेटे याइफाबा उन्हें होली फैमिली अस्पताल ले गए, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने हमले और सिंह की मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली विश्वविद्यालय की नॉर्थ ईस्ट स्टूडेंट्स सोसाइटी ने चोंगथम विक्रम सिंह की मौत पर शोक व्यक्त किया और उन्हें एक सम्मानित मणिपुरी संगीतकार बताया, जिन्होंने पिछले 20 सालों से दिल्ली में संगीत के इर्द-गिर्द अपना जीवन बनाया था।

नशे का खौफनाक असर! लुधियाना में 3 महीने की गर्भवती पत्नी की पीट-पीटकर हत्या का आरोप, पति और दादा हिरासत में

लुधियाना (आरएनएस)। पंजाब में नशे के बढ़ते प्रभाव के बीच लुधियाना जिले के गांव बुर्ज लिट्टां से एक बेहद दर्दनाक मामला सामने आया है। यहां तीन महीने की गर्भवती 25 वर्षीय महिला हरप्रीत कौर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के मायके वालों ने उसके पति जसप्रीत सिंह उर्फ जस्सा पर नशे की हालत में मारपीट कर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया है। इस घटना में हरप्रीत के गर्भ में पल रहे अजन्मे बच्चे की भी मौत हो गई।

पुलिस ने मृतका के परिजनों की शिकायत के आधार पर पति जसप्रीत सिंह और उसके दादा जोगिंदर सिंह को हिरासत में लिया है। थाना सुधार के प्रभारी कुलविंदर सिंह मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए लुधियाना सिविल अस्पताल भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

परिजनों के अनुसार, हरप्रीत कौर अपने घर में लगातार हो रहे झगड़ों से परेशान थी और कुछ समय पहले मायके चली गई थी। रविवार को जसप्रीत उसे समझाकर वापस बुर्ज लिट्टां ले आया था। परिजनों का कहना है कि उसने नशा छोड़ने का भरोसा भी दिया था।

आरोप है कि सोमवार रात जसप्रीत नशे की हालत में घर पहुंचा और हरप्रीत के साथ कथित तौर पर बुरी तरह मारपीट की। परिजनों ने आरोप लगाया कि इसके बाद उसका गला घोंट दिया गया।

गंगा, कोसी, गंडक समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर, बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर

पटना, (आरएनएस)। बिहार में गंगा, कोसी, गंडक, बूढ़ी गंडक, बागमती, पुनपुन और घाघरा समेत कई प्रमुख नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बना हुआ है। जलस्तर में अलग-अलग स्थानों पर वृद्धि और गिरावट के बीच निचले इलाकों में बाढ़ का संकट गंभीर बना हुआ है। जल संसाधन विभाग के मंगलवार की सुबह छह बजे के आंकड़ों के मुताबिक, कई स्थानों पर नदियां खतरे के निशान से एक से करीब तीन मीटर तक ऊपर बह रही हैं। पुनपुन नदी की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक बनी हुई है। श्रीपालपुर में नदी का जलस्तर 53.55 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 50.60 मीटर से 2.95 मीटर ऊपर है। यहां जलस्तर बढ़ने का रुझान जारी है। बूढ़ी गंडक भी खगड़िया में खतरे के निशान से काफी ऊपर बह रही है। यहां जलस्तर 38.56 मीटर दर्ज किया गया, जबकि खतरे का स्तर 36.58 मीटर है। नदी यहां 1.98 मीटर ऊपर बह रही है और जलस्तर बढ़ रहा है। गंगा नदी कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर है। दीघा घाट में जलस्तर 51.54 मीटर, गांधी घाट में 50.31 मीटर और हाथीदह में 43.41 मीटर दर्ज किया गया। इन स्थानों पर नदी क्रमशः 1.09 मीटर, 1.71 मीटर और 1.65 मीटर खतरे के निशान से ऊपर है। हालांकि पटना और हाथीदह के इन स्थानों पर जलस्तर में गिरावट का रुझान है। वहीं, गंगा के निचले इलाकों में जलस्तर बढ़ रहा है। मुंगेर में गंगा 40.08 मीटर, भागलपुर में 34.60 मीटर और कहलगांव में 32.77 मीटर पर बह रही है। इन स्थानों पर नदी खतरे के निशान से क्रमशः 0.75 मीटर, 0.92 मीटर और 1.68 मीटर ऊपर है।

कोसी नदी बलतारा में 35.15 मीटर और कुरसेला में 31.40 मीटर पर है। दोनों स्थानों पर नदी खतरे के निशान से ऊपर है और जलस्तर में वृद्धि दर्ज की गई है। बलतारा में कोसी खतरे के निशान से 1.30 मीटर और कुरसेला में 1.40 मीटर ऊपर है। गंडक नदी भी डुमरिया घाट और हाजीपुर में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। डुमरिया घाट में जलस्तर 62.75 मीटर दर्ज हुआ, जो खतरे के निशान से 0.53 मीटर ऊपर है।

डॉक्टरों से मारपीट करने वाले नेताओं को फौरन लें हिरासत में, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- दोषियों को खुला न छोड़ें

नई दिल्ली (आरएनएस)। अस्पतालों में डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ पर बढ़ते हमलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद कड़ा और तल्ख रुख अपनाया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट आदेश देते हुए कहा कि डॉक्टरों के साथ मारपीट करने वाले राजनीतिक दलों के नेताओं और उनके समर्थकों को तुरंत हिरासत में लिया जाए। महाराष्ट्र में डॉक्टरों पर नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे हमलों की हालिया घटनाओं पर गहरी चिंता जताते हुए कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि ऐसे तत्वों को किसी भी सूरत में खुलेआम घूमने की छूट नहीं दी जानी चाहिए।

शिवसेना पार्षद की याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने लगाई फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने यह सख्त टिप्पणी कल्याण स्थित शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों पर हमले के मामले में जमानत की शर्तों को चुनौती देने वाली शिवसेना पार्षद रमेश सुक्रिया म्हात्रे की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। कोर्ट के कड़े तेवर को देखते हुए म्हात्रे के वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने याचिका वापस ले ली। सुनवाई के दौरान महाराष्ट्र सरकार ने पीठ को अवगत कराया कि उसने म्हात्रे की जमानत रद्द करने के लिए पहले ही अर्जी दाखिल कर रखी है। इस पर अदालत ने नोटिस जारी करते हुए मामले की अगली सुनवाई 28 सितंबर के लिए तय कर दी। कोर्ट ने दो टूक कहा कि अस्पतालों के भीतर स्वास्थ्य कर्मियों पर होने वाले हमलों को कतई हल्के में नहीं लिया जा सकता।

पालघर के अस्पताल में बवाल: रिसेप्शनिस्ट को जड़ा थप्पड़, महिला कर्मी को धमकाया

यह पूरा विवाद महाराष्ट्र के पालघर स्थित रिलीफ अस्पताल में दही हांडी उत्सव के दौरान घायल हुए एक मरीज के डिस्चार्ज को लेकर शुरू हुआ था। आरोप है कि एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना गुट के जिला प्रमुख कुंदन सांखे, शहर प्रमुख राहुल घरत और अन्य नेताओं ने इमरजेंसी डिपार्टमेंट में घुसकर डॉक्टरों और कर्मचारियों से जमकर बदसलूकी की।

अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा गया कि बीच-बचाव करने आए रिसेप्शनिस्ट को सरेआम थप्पड़ मारा गया और एक महिला कर्मचारी को डराया-धमकाया गया। अस्पताल प्रशासन की शिकायत पर पुलिस ने शिवसेना नेताओं सहित कम से कम 17 लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है।

पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर में एक तैरता हुआ पुल, जिसके लकड़ी के तख्ते लंबे समय तक बारिश के संपर्क में रहने के कारण नरम हो गए हैं।

विद्वानों के भरोसे नहीं, अंडरवर्ल्ड और रेड लाइट एरिया के वोटों से बना एमपी', नितिन गडकरी का बड़ा बयान

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भारतीय राजनीति, लोकतंत्र और चुनावी समीकरणों को लेकर एक बार फिर बेहद बेबाक और चौंकाने वाला बयान दिया है। एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान अपने चिर-परिचित बेबाक अंदाज में बोलते हुए गडकरी ने कहा कि उन्हें सबसे ज्यादा 90 प्रतिशत से अधिक वोट उन इलाकों से मिलते हैं जिन्हें 'अंडरवर्ल्ड' और 'रेड लाइट एरिया' के तौर पर जाना जाता है। इसके साथ ही उन्होंने साफ किया कि उनका किसी भी असामाजिक तत्व या अवैध काम से कोई नाता नहीं है, बल्कि यह भारी समर्थन उन्होंने केवल विकास कार्यों, पक्की सड़कों और सामाजिक सेवाओं के दम पर हासिल किया है।

'विद्वान घर बैठे रहते हैं और पूछते हैं देश का क्या होगा', पढ़े-लिखे वोटरों पर ली चुटकी

पढ़े-लिखे तबके और बुद्धिजीवियों के मतदान व्यवहार पर तंज कसते हुए केंद्रीय मंत्री ने मजाकिया लहजे में खरी-खरी सुनाई। उन्होंने कहा कि वे बड़े विद्वानों के भरोसे सांसद नहीं बने हैं, क्योंकि पढ़े-लिखे लोग वोटिंग के दिन केवल टालमटोल करते हैं कि 'अभी जाऊंगा, बाद में जाऊंगा' और शाम के 5 बज जाते हैं, लेकिन वोट डालने नहीं निकलते। गडकरी ने दो टूक कहा कि जो लोग वोट देने तक नहीं जाते, उन्हें नेताओं से यह पूछने का कोई हक नहीं है कि देश का क्या होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी समस्या राजनेता या पार्टियां नहीं हैं, बल्कि जनता में जागरूकता की कमी है। जब तक लोग जाति, धर्म, पंथ और भाषा से ऊपर उठकर शिक्षा व विकास के नाम पर वोट नहीं करेंगे, तब तक लोकतंत्र में बदलाव संभव नहीं है।

रात में महिला के घर में घुसना, कपड़े उठाना दुष्कर्म की कोशिश नहीं, झारखंड हाईकोर्ट की बड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली (आरएनएस)। दुष्कर्म से जुड़े 26 साल पुराने एक मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि केवल रात में किसी महिला के घर में प्रवेश करना और उसके कपड़े उठाना भारतीय दंड संहिता के तहत दुष्कर्म या दुष्कर्म के प्रयास का अपराध नहीं माना जा सकता। हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले में बदलाव करते हुए मामले को महिला की गरिमा भंग करने और आपराधिक बल के इस्तेमाल से संबंधित अपराध माना है।

जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि दुष्कर्म किए जाने के पर्याप्त रूप से निकट कोई प्रत्यक्ष कृत्य भी, परिस्थितियों के आधार पर, भारतीय दंड संहिता के तहत दुष्कर्म के प्रयास का अपराध नहीं माना जा सकता। प्रत्यक्ष कृत्य से आशय अपराध की योजना को पूरा करने की दिशा में उठाए गए वास्तविक और ठोस कदम से है।

यह फैसला 31 अगस्त को सुनाया गया था और सोमवार को सार्वजनिक किया गया। आरोपी ने घाटशिला सत्र अदालत द्वारा 25 जुलाई, 2006 को सुनाई गई चार साल के सश्रम कारावास की सजा को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

हाईकोर्ट ने आरोपी की सजा में बदलाव करते हुए कहा कि वह मुकदमे के दौरान करीब आठ महीने हिरासत में रह चुका है। अदालत ने माना कि न्याय के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उसके द्वारा हिरासत में बिताई गई अवधि पर्याप्त है।

मामला वर्ष 1999 का है। चाकुलिया पुलिस ने 27 दिसंबर, 1999 को प्राथमिकी दर्ज होने के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया था।

बृजभूषण शरण सिंह की बेटी शालिनी की राजनीति में एंट्री की तैयारी, बोलीं- पार्टी आदेश देगी तो जरूर लड़ूंगी चुनाव

बुलंदशहर ,(आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद और बाहुबली नेता बृजभूषण शरण सिंह के परिवार से अब एक और सदस्य सक्रिय राजनीति में कदम रखने जा रहा है। बृजभूषण शरण सिंह की बेटी शालिनी सिंह ने चुनावी और सक्रिय राजनीति में आने के स्पष्ट संकेत दे दिए हैं। बुलंदशहर में एक निजी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि समाज में किसी व्यक्ति की पहचान पार्टी या टिकट से नहीं, बल्कि उसके मजबूत नेतृत्व और जनता के लिए किए गए कार्यों से तय होती है। उन्होंने साफ कहा कि यदि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व उन्हें जिम्मेदारी सौंपता है और चुनाव लड़ने का निर्देश देता है, तो वह निश्चित रूप से चुनावी मैदान में उतरेंगी।

15 वर्षों से सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय, संघ से भी गहरा नाता

शालिनी सिंह ने बताया कि वह पिछले करीब 15 सालों से नोएडा और आसपास के इलाकों में सामाजिक सरोकारों से जुड़ी रही हैं और अब राजनीति के जरिए व्यापक स्तर पर जनसेवा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वह पक्ष या विपक्ष देखकर नहीं, बल्कि जनता से जुड़े सही मुद्दों पर मुखर होकर आवाज उठाने में विश्वास रखती हैं। शालिनी सिंह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की महिला शाखा 'राष्ट्र सेविका समिति' से भी लंबे समय से जुड़ी हुई हैं और हाल ही में उन्होंने इस शाखा का सर्वोच्च प्रशिक्षण भी पूरा किया है। उनका यह जुड़ाव इस बात का पुख्ता संकेत दे रहा है कि वह अपने पिता और भाइयों की तरह भाजपा के मंच से ही अपनी सियासी पारी की शुरुआत करेंगी।

मायके से लेकर ससुराल तक, राजनीति में रसूखदार रहा है परिवार

शालिनी सिंह का ताल्लुक एक ऐसे परिवार से है जिसकी जड़ें सियासत में बेहद गहरी हैं। उनके पिता बृजभूषण शरण सिंह छह बार लोकसभा सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) के अध्यक्ष रह चुके हैं, जबकि उनकी मां केतकी देवी सिंह भी 1996 में गोंडा से सांसद रह चुकी हैं। उनके बड़े भाई प्रतीक भूषण सिंह गोंडा सदर सीट से लगातार भाजपा के विधायक हैं, वहीं छोटे भाई करण भूषण सिंह कैसरगंज से मौजूदा भाजपा सांसद हैं। सिर्फ मायका ही नहीं, शालिनी का ससुराल भी राजनीतिक रूप से बेहद प्रभावशाली है; उनकी शादी बिहार के आरा से पूर्व सांसद अजीत सिंह और पूर्व सांसद मीना सिंह के इकलौते बेटे विशाल सिंह से हुई है। परिवार के इस मजबूत सियासी रसूख के बीच शालिनी की एंट्री से उत्तर प्रदेश की सियासत में नई हलचल शुरू हो गई है।

सत्य निकेतन हादसा : दिल्ली की सभी इमारतों के सघन सर्वेक्षण के आदेश, 3 दिन में मांगी रिपोर्ट; पुराने सर्वे के आंकड़ों पर उठे सवाल

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में पांच मंजिला पीजी इमारत ढहने से सात लोगों की मौत और छह अन्य के घायल होने के दर्दनाक हादसे के बाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन ऑफ दिल्ली ने राजधानी की सभी इमारतों की नए सिरे से जांच करने का फरमान जारी किया है। नगर निगम प्रशासन ने सभी जोनों के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर्स (बिल्डिंग) को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली इमारतों का त्वरित निरीक्षण कर आगामी 10 सितंबर तक विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का सख्त निर्देश दिया है। हाईकोर्ट में दाखिल होगा हलफनामा, 25 सितंबर को सुनवाई सत्य निकेतन त्रासदी के बाद न्यायिक स्तर पर भी जवाबदेही तय करने की कवायद तेज हो गई है: अदालत में रिपोर्ट तीन दिनों के भीतर जुटाए गए इस निरीक्षण डेटा को संकलित कर दिल्ली नगर निगम 10 दिनों के भीतर दिल्ली उच्च न्यायालय में एक विस्तृत हलफनामे के रूप में पेश करेगा।

अदालती सुनवाई: राजधानी में जर्जर और अवैध इमारतों की सुरक्षा और सुरक्षा मानकों के उल्लंघन को लेकर हाईकोर्ट 25 सितंबर को मामले की अगली सुनवाई करेगा।पुराने सर्वे पर खड़े हुए गंभीर सवाल: 28 लाख में सिर्फ 19 इमारतें खतरनाक निगम के इस त्वरित एक्शन के बीच एमसीडी के पिछले आंकड़ों ने व्यवस्था की विश्वसनीयता पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है: हैरान करने वाले आंकड़े: इस वर्ष की शुरुआत में नगर निगम द्वारा कराए गए व्यापक सर्वे के दौरान पूरी दिल्ली में कुल 27,84,286 (लगभग 28 लाख) इमारतों की जांच की गई थी।

किराए के लालच में पुरानी नींव पर खड़ी कर दीं 4 मंजिलें, सत्य निकेतन हादसे में बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को हुए दर्दनाक बिल्डिंग हादसे की एफआईआर में निर्माण को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस के मुताबिक, बिल्डिंग मालिक हरिराम बंसल उर्फ गुप्ता और उनके भाई ने कथित तौर पर किराए से अधिक कमाई के लालच में कई साल पुरानी इमारत के ऊपर चार अतिरिक्त मंजिलों का निर्माण कराया। पुलिस का आरोप है कि मालिकों को इस बात की जानकारी थी कि पुरानी इमारत की नींव अतिरिक्त भार सहने की स्थिति में नहीं थी, इसके बावजूद निर्माण जारी रखा गया।एफआईआर के अनुसार, अतिरिक्त मंजिलों और नए निर्माण के कारण इमारत की मजबूती और उसकी भार वहन क्षमता पर भारी दबाव पड़ा। पुलिस का कहना है कि इमारत की क्षमता पहले ही अपनी सीमा पार कर चुकी थी और इसी वजह से वह अचानक भरभराकर गिर गई।

सत्य निकेतन हादसे के बाद डीयू में हॉस्टल की मांग, दिल्ली हाईकोर्ट ने तुरंत सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। सत्य निकेतन इलाके में पांच मंजिला पीजी इमारत ढहने से पांच छात्रों सहित सात लोगों की दर्दनाक मौत के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों में हॉस्टल सुविधा अनिवार्य करने की मांग अदालत तक पहुंच गई है। हालांकि, दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को इस मामले से जुड़ी नई याचिका पर तुरंत सुनवाई करने से साफ इनकार कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि इसी गंभीर मुद्दे पर पहले से ही एक जनहित याचिका दाखिल है, जिस पर बुधवार 9 सितंबर को सुनवाई होनी तय है।

'कल आएगी पीआईएल, न करें समय बर्बाद' : चीफ जस्टिस की बेंच की दो टूक

चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की खंडपीठ के समक्ष जब वकील ने याचिका को मंगलवार को ही तत्काल लिस्ट करने का आग्रह किया, तो अदालत ने सख्त रुख अपनाया। बेंच ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि एक पीआईएल पहले ही दाखिल की जा चुकी है जो अगले दिन स्वत: सूचीबद्ध हो जाएगी, इसलिए बिना वजह अदालत का समय बर्बाद न किया जाए। अदालत ने सवालिया लहजे में यह भी कहा कि क्या अंतरिम निर्देश के जरिए रातों-रात ऐसा व्यापक आदेश जारी किया जा सकता है।

9/11 के आतंकी हमले पर बड़ा खुलासा, आरोपी का सऊदी अरब से मिला था कनेक्शन; FBI ने नहीं की कार्रवाई

वॉशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिका में 11 सितंबर 2001 को हुए आतंकी हमले से जुड़े मामले में 25 साल बाद एक नया खुलासा सामने आया है। स्न्नक्क्ष की जांच में ओमर अल-बायूमी का एक ऐसा वीडियो मिला है, जिसमें वह अलकायदा के नेता अनवर अल-अवलाकी के साथ पेंटबॉल खेलते और बातचीत करते नजर आ रहा है। वीडियो में सऊदी अरब के इस्लामिक मामलों के मंत्रालय से जुड़ा एक अधिकारी भी उनके साथ दिखाई दे रहा है। यह वीडियो पहले सार्वजनिक नहीं किया गया था, लेकिन अब इसे प्रसारित किया गया है।

BBC की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (FBI) के पास बायूमी के खिलाफ कई अहम सबूत मौजूद थे, इसके बावजूद उसके खिलाफ उस समय अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। 9/11 हमले के बाद FBI बायूमी की भूमिका की जांच कर रही थी। उस पर दो संदिग्ध आतंकियों की मदद करने का आरोप था। हालांकि, बायूमी ने खुद को चरमपंथी या सऊदी अरब का जासूस होने से साफ इनकार किया था। सऊदी अरब ने भी हमले में अपनी सरकार, सेना या अधिकारियों की किसी भूमिका से इनकार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, बायूमी वर्ष 1994 में अंग्रेजी सीखने का दावा करते हुए सऊदी अरब से अमेरिका के सैन डिएगो पहुंचा था। हालांकि, बाद में सामने आया कि अंग्रेजी सीखने के बजाय वह धार्मिक गतिविधियों में अधिक सक्रिय था। उसके और कट्टरपंथी विचारों से जुड़े लोगों के बीच संपर्क की भी जांच की गई थी।सामने आया पेंटबॉल का वीडियो वर्ष 1997 या 1998 का बताया जा रहा है। इसमें बायूमी, अनवर अल-अवलाकी और कुछ अन्य लोग पेंटबॉल खेलते दिखाई दे रहे हैं। इनमें से कुछ लोगों ने सैन्य वर्दी जैसी पोशाक पहन रखी थी। पेंटबॉल खेलते समय कुछ लोगों द्वारा धार्मिक नारे लगाए जाने की बात भी सामने आई है।स्न्नक्क्ष की जांच में यह जानकारी मिली थी कि पेंटबॉल खेलने वाले कुछ सत्रों का इस्तेमाल जिहादी प्रशिक्षण के लिए किया जाता था। स्न्नक्क्ष को यह भी इनपुट मिला था कि अनवर अल-अवलाकी अलकायदा से जुड़े लोगों के संपर्क में था। जनवरी 1998 के एक अन्य वीडियो में बायूमी और अवलाकी एक-दूसरे को गले लगाते हुए दिखाई दिए थे।बायूमी उस समय स्न्नक्क्ष के शक के घेरे में और गहराई से आया, जब एक अपार्टमेंट किराए पर लेने के समझौते में उसका नाम सामने आया। यह समझौता नवाफ अल-हाजमी और खालिद अल-मिहधर के बीच हुआ था। दोनों 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमले में शामिल 19 अपहरणकर्ताओं में शामिल थे और पेंटागन पर हुए हमले में उनकी भूमिका थी। हमले के बाद बायूमी अमेरिका से भागकर ब्रिटेन के बर्मिंघम पहुंच गया था, जहां उसे 21 सितंबर 2001 को गिरफ्तार किया गया।

दुबई में 30 हजार रुपए महीना देकर कैसा मिलता है कमरा? भारतीय महिला ने दिखाया 'माचिस की डिब्बी' जैसा आशियाना

दुबई (ए.)। चमक-दमक, बुर्ज खलीफा और आलीशान लाइफस्टाइल के लिए दुनिया भर में मशहूर 'सपनों के शहर' दुबई की एक हैरान कर देने वाली ज़मीनी हकीकत सामने आई है। नौकरी और बेहतर भविष्य की तलाश में विदेश जाने वाले हर शख्स की जिंदगी शुरुआत से ही लग्जरी नहीं होती, इस बात को उजागर करने वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। भारतीय कंटेंट क्रिएटर कीर्तिना एल ने दुबई में करीब 30 हजार रुपये महीने किराए वाले एक कमरे का रूम टूर कराया है, जिसका बेहद संकरा और छोटा आकार देखकर इंटरनेट यूजर्स दंग रह गए हैं।ऊपर बेड और नीचे सामान, हर इंच जगह की चुकानी पड़ती है भारी कीमतवायरल वीडियो में कीर्तिना दर्शकों को दिखाती हैं कि दुबई में करीब 30 हजार रुपये (1,200 से 1,300 दिरहम) का किराया देने के बावजूद रहने के लिए कितनी तंग जगह मिलती है।

फ्रांस के मशहूर रेनॉयर म्यूजियम में 98 करोड़ की डकैती, 5 मिनट में 4 बेशकीमती पेंटिंग्स लेकर भागे चोर

पेरिस (ए) फ्रांस के ऐतिहासिक कैग्नेस-सुर-मेर शहर स्थित प्रसिद्ध रेनॉयर म्यूजियम (Renoir Museum) में मंगलवार तड़के दो शातिर चोरों ने बड़ी सेंधमारी को अंजाम दिया। चोरों ने म्यूजियम से करीब 98 करोड़ रुपये मूल्य की चार अत्यंत दुर्लभ और बेशकीमती पेंटिंग्स पर हाथ साफ कर दिया। इस दुस्साहसिक वारदात ने फ्रांस के अंतरराष्ट्रीय स्तर के संग्रहालयों की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शहर के सीसीटीवी कैमरों में दोनों संदिग्ध चोरी के बाद तेजी से भागते हुए कैद हुए हैं।

5 मिनट में पहुंची पुलिस, भागते समय चोरों के हाथ से छूटी एक पेंटिंग

कैग्नेस-सुर-मेर के मेयर ब्रायन मैसन ने घटना का विवरण देते हुए बताया कि सुबह ठीक 5 बजकर 48 मिनट पर म्यूजियम का हाईटेक सिक्योरिटी अलार्म बजा। अलार्म बजते ही म्युनिसिपल पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई और महज 5 मिनट के भीतर पुलिस दल मौके पर पहुंच गया। हालांकि, इतनी त्वरित कार्रवाई के बावजूद शातिर चोर वारदात को अंजाम देकर रफूचक्कर हो चुके थे। राहत की बात यह रही कि पुलिस के सायरन और हड़बड़ी के चलते भागते समय एक पेंटिंग चोरों के हाथ से वहीं जमीन पर गिर गई, जिसे पुलिस ने सुरक्षित बरामद कर लिया है, जबकि बाकी तीन पेंटिंग्स लेकर आरोपी फरार होने में सफल रहे।

महान चित्रकार पियरे-अगस्टे रेनॉयर का आखिरी ठिकाना रहा है यह म्यूजियम

यह प्रतिष्ठित म्यूजियम फ्रांस के महान प्रभाववादी (ढ्ढद्वश्चह्म्द्गह्यह्यद्बशठ्ठ-द्बह्यह्) चित्रकार पियरे-अगस्टे रेनॉयर को समर्पित है। वर्ष 1919 में अपनी मृत्यु से पहले रेनॉयर ने अपने जीवन के अंतिम वर्ष इसी ऐतिहासिक घर में बिताए थे। बाद में 1960 में इसे एक संरक्षित सार्वजनिक म्यूजियम का रूप दिया गया। यहां उनकी विख्यात कलाकृतियों के अलावा उनका मूल चित्रफलक (ईजल) और व्हीलचेयर जैसी व्यक्तिगत ऐतिहासिक धरोहरें भी प्रदर्शित की गई हैं।यह घटना ऐसे वक्त में सामने आई है जब एक साल पहले ही पेरिस के विश्वप्रसिद्ध और अभेद्य सुरक्षा वाले 'लूवर म्यूजियम' में दिनदहाड़े 100 मिलियन डॉलर (करीब 830 करोड़ रुपये) की 8 दुर्लभ कलाकृतियों की सनसनीखेज चोरी हुई थी। लूवर की उस खौफनाक डकैती के जख्म अभी भरे भी नहीं थे कि रेनॉयर म्यूजियम में हुई इस नई वारदात ने वैश्विक कला जगत और सुरक्षा एजेंसियों को सकते में डाल दिया है। फिलहाल पुलिस शहरभर की नाकाबंदी कर फरार चोरों की तलाश में जुटी हुई है।

ईरान से जंग जीतते ही क्रैश होंगी तेल-गैस की कीमतें! ट्रंप का बड़ा दावा; क्रूड 97 डॉलर के पार

वॉशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का असर अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर साफ दिखाई दे रहा है। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच कच्चे तेल और गैस की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। फिलहाल Brent Crude की कीमत 97 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है, जिससे वैश्विक स्तर पर महंगाई और आर्थिक दबाव बढ़ने की आशंका गहरा गई है।इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका की जीत के बाद कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट आएगी। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि अमेरिका में गैस की कीमतें 3 डॉलर प्रति गैलन तक गिर सकती हैं और बाद में 2 डॉलर प्रति गैलन से भी नीचे पहुंच जाएंगी।डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ऊर्जा की बढ़ती कीमतों को मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष से जोड़ा। उन्होंने कहा कि अमेरिका यह युद्ध जीतेगा और इसके बाद ऊर्जा बाजार स्थिर हो जाएंगे।ट्रंप ने अपनी पोस्ट में कहा कि ईरान के साथ युद्ध जीतने के बाद तेल की कीमतों में तेजी से गिरावट आएगी। उन्होंने दावा किया कि गैस की कीमतें पहले 3 डॉलर प्रति गैलन तक और अंततः 2 डॉलर प्रति गैलन से भी नीचे आ जाएंगी।

एफिल टावर में महिला कर्मियों को हटाने पर बवाल, BAPS ने मांगी माफी; मेयर ने दिए उच्चस्तरीय जांच के आदेश

पेरिस (आरएनएस)। फ्रांस की राजधानी पेरिस में स्थित विश्व प्रसिद्ध एफिल टावर पर महिला कर्मचारियों को ड्यूटी से हटाए जाने के आरोपों को लेकर बड़ा अंतरराष्ट्रीय विवाद खड़ा हो गया है। इस पूरे घटनाक्रम पर अब बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (BAPS) ने आधिकारिक सफाई पेश की है। संगठन ने स्पष्ट किया कि उनके करीब 100 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के दौरे के दौरान किसी भी आम पर्यटक को स्मारक में प्रवेश करने से नहीं रोका गया था। हालांकि, संगठन ने यह भी कहा कि यदि इस व्यवस्था के कारण किसी को भी कोई असुविधा या मानसिक ठेस पहुंची है, तो वे इसके लिए दिल से माफी मांगते हैं।

महिला कर्मचारियों को हटाने के आरोप से भड़के कर्मचारी, टावर खुलने में हुई देरी

विवाद की शुरुआत तब हुई जब शनिवार को BAPS का हिंदू धार्मिक प्रतिनिधिमंडल एफिल टावर के दौरे पर पहुंचा। यह समूह पेरिस के समीप नवनिर्मित विशाल हिंदू मंदिर के प्राण-

प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लेने फ्रांस आया था। आरोप है कि प्रतिनिधिमंडल के वहां पहुंचने से पहले प्रबंधन ने ड्यूटी पर तैनात महिला कर्मचारियों को उनकी जगह से हटा दिया और उनकी जगह केवल पुरुष कर्मियों की तैनाती कर दी।

लिंग के आधार पर हुए इस भेदभाव के खिलाफ सोमवार को एफिल टावर के कर्मचारियों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और आपात बैठक बुलाई। कर्मचारियों के इस कड़े विरोध के चलते सोमवार को एफिल टावर तय समय पर पर्यटकों के लिए नहीं खुल सका।

संचालन कंपनी ने मानी गलती, पेरिस के मेयर ने बैठाई जांच

कर्मचारी यूनियनों के भारी विरोध के बाद एफिल टावर का संचालन करने वाली कंपनी 'सेटे' (SETE) बैकफुट पर आ गई है। कंपनी प्रबंधन ने स्वीकार किया कि प्रतिनिधिमंडल की तरफ से महिला कर्मचारियों से संपर्क कम रखने का अनुरोध किया गया था, जिसे स्वीकार करना प्रबंधन की गंभीर चूक थी और ऐसी शर्तें कतई नहीं मानी जानी चाहिए थीं। प्रबंधन ने नाराज कर्मचारियों से औपचारिक माफी भी मांगी है। दूसरी ओर, कर्मचारियों ने इसे महिलाओं के आत्मसम्मान और समानता के अधिकार पर हमला बताते हुए विस्तृत जांच की मांग की है। मामले के तूल पकड़ते ही पेरिस के मेयर इमैनुएल ग्रेगोयर ने पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच के आदेश जारी कर दिए हैं।

फीचर

चिरंजीवी की 'काका' में अनस्वरा राजन की एंट्री, बोलीं- मेगा स्टार के साथ काम करना गौरव की बात

अभिनेत्री अनस्वरा राजन इन दिनों अपनी आगामी तेलुगु फिल्म 'काका' को लेकर काफी उत्साहित हैं। मलयालम सिनेमा में अपनी पहचान बना चुकीं अनस्वरा ने तेलुगु फिल्म जगत में अभी केवल एक फिल्म के जरिए कदम रखा है, लेकिन अब उन्हें अभिनेता चिरंजीवी की आगामी फिल्म 'काका' में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का मौका मिला है। फिल्म का निर्देशन बॉबी कर रहे हैं।

अनस्वरा ने रोशन की फिल्म 'चैंपियन' के जरिए तेलुगु सिनेमा में पदार्पण किया था। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन अनस्वरा के अभिनय की काफी सराहना हुई। इसके बाद से ही माना जा रहा था कि तेलुगु फिल्म उद्योग में उनका भविष्य उज्ज्वल हो सकता है।

अब अनस्वरा को चिरंजीवी की फिल्म 'काका' में अहम भूमिका मिलने से उनके प्रशंसकों में भी उत्साह है। फिल्म की रिलीज से पहले आयोजित एक कार्यक्रम में अभिनेत्री ने चिरंजीवी के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए अपनी खुशी जाहिर की।

अनस्वरा ने कहा, मैं चिरंजीवी सर के साथ पर्दा साझा करने को लेकर खुश और गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। सेट पर उन्हें देखकर मैंने बहुत कुछ सीखा है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्हें उम्मीद है कि चिरंजीवी के प्रशंसकों समेत दर्शकों को 'काका' सिनेमाघरों में जरूर पसंद आएगी।

धनुष की फिल्म ओमः चैप्टर 1 से ममूटी का दमदार अवतार आया सामने

मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार ममूटी ने अपने फैंस को शानदार तोहफा दिया है। उन्होंने सुपरस्टार धनुष की आगामी फिल्म ओम: चैप्टर 1 से अपने किरदार की एक झलक दिखाई है, जिसके जरिए वह तमिल सिनेमा में वापसी कर रहे हैं। राजकुमार पेरियासामी द्वारा निर्देशित इस फिल्म का टीजर सोशल मीडिया पर जारी हुआ है, जिसमें ममूटी को केंद्र में दिखाया गया है। उनकी उपस्थिति फिल्म में एक्शन, इमोशन और स्टाइल के मिश्रण का संकेत देती है।

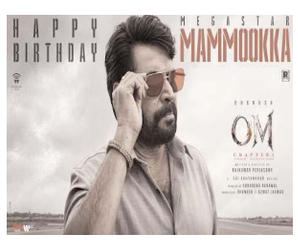

ओम: चैप्टर 1 के टीजर में, ममूटी को कार्तिकेय के रूप में दिखाया गया है, जो सिया नाम से जुड़ा एक किरदार है और जिसे एक अंतरराष्ट्रीय तस्कर के रूप में वर्णित किया गया है।

उनकी दमदार उपस्थिति से पता चलता है कि फिल्म में उनका किरदार शक्ति और भावनात्मक गहराइयों से भरपूर होगा। कहानी को फिलहाल गुप्त रखा गया है।

इसके जरिए ममूटी 7 साल बाद तमिल सिनेमा में लौटे हैं। उनकी आखिरी फिल्म पेरंबु (2019) थी।

करण जौहर की स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 बनेंगी शनाया कपूर, इस बार होगा बड़ा बदलाव

करण जौहर की लोकप्रिय फ्रेंचाइजी स्टूडेंट ऑफ द ईयर की तीसरी कड़ी पर अपडेट आ गया है। इस साल आई फिल्म तू या मैं से दर्शकों को प्रभाविक करने के बाद, शनाया कपूर तीसरी कड़ी का हिस्सा होंगी। हालांकि, यह एक नए रूप में दर्शकों के सामने आएगी और यह बिल्कुल अलग तरह की कहानी होगी। बताया जा रहा है कि करण के धर्माटिक एंटरटेनमेंट द्वारा समर्थित इस परियोजना को फिल्म नहीं, बल्कि वेब सीरीज का रूप दिया गया है।

सूत्र ने कहा, सबसे पहले तो, जहां स्टूडेंट ऑफ द ईयर (2012) और स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 (2019) फिल्में थीं, वहीं स्टूडेंट ऑफ द ईयर का तीसरा भाग एक वेब सीरीज होगा। दूसरे, पहले 2 भाग हल्के-फुल्के मनोरंजन वाले थे। वहीं, स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 बिल्कुल अलग तरह की कहानी है।

उन्होंने बताया कि यह ज्यादा गंभीर, चुनौतीपूर्ण और गहन होगी। इसे क्लास और यूफोरिया के मिश्रण के रूप में देखा जा रहा है।

सूत्र ने आगे कहा, स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 इसी साल जियोहॉटस्टार पर रिलीज होने की उम्मीद है। इसका नाम स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3- आफ्टर द डार्क हो सकता है।

हालांकि, सूत्र ने यह भी स्पष्ट किया कि अंतिम पुष्टि निर्माताओं के ऐलान के बाद होगी।

कंसीलर खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान, मिलेगा सही शेड

कंसीलर एक ऐसा मेकअप उत्पाद है, जो आंखों के नीचे के काले घेरे, मुंहासों के निशान और अन्य असमानताओं को छिपाने में मदद करता है। सही कंसीलर चुनना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, क्योंकि बाजार में कई तरह के शेड और फॉर्मूले होते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी मेकअप टिप्स देंगे, जिनकी मदद से आप अपने लिए सही कंसीलर चुन सकती हैं और अपने चेहरे को बेहतरीन तरीके से सजा सकती हैं।

अपनी त्वचा का अंडर टोन जानें

सही कंसीलर चुनने के लिए सबसे पहले अपनी त्वचा का अंडर टोन जानना जरूरी है। अगर आपकी त्वचा का टोन गर्म है तो पीले या सुनहरे शेड वाले कंसीलर चुनें।ठंडे टोन वाली महिलाओं को गुलाबी या नीले शेड वाले कंसीलर अच्छे लगते हैं। न्यूट्रल टोन वाली महिलाओं के लिए मिक्स शेड वाले कंसीलर बेहतर होते हैं।इससे आपका मेकअप प्राकृतिक लगेगा और आपकी त्वचा की खामियां आसानी से छिप जाएंगी।

अपनी त्वचा का प्रकार समझें

आपकी त्वचा का प्रकार भी कंसीलर चुनते समय अहम भूमिका निभाता है। अगर आपकी त्वचा तैलीय है तो मैट फिनिश वाला कंसीलर चुनें, जो अतिरिक्त तेल को सोख लेगा और लंबे समय तक सही रहेगा।

सूखी त्वचा वालों को क्रीम बेस्ड या नमी देने वाला कंसीलर चुनना चाहिए, जो उनकी त्वचा को सूखने से बचाए। संवेदनशील त्वचा वालों को एलर्जी से बचाने वाला कंसीलर चुनना चाहिए, जो उनकी त्वचा पर आरामदायक महसूस हो।

रोशनी का ध्यान रखें

कंसीलर खरीदते समय रोशनी का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। दुकान में हमेशा प्राकृतिक रोशनी में कंसीलर टेस्ट करें, ताकि आपको सही रंग का पता चल सके।

कृत्रिम रोशनी में रंग अलग दिख सकते हैं, इसलिए हमेशा दिन के समय या खिड़की के पास खड़े होकर कंसीलर चुनें। इससे आपको सही रंग का पता चलेगा और आपका मेकअप प्राकृतिक लगेगा।इस तरह आप अपने चेहरे की खामियों को छिपाने और उसे बेहतरीन बनाने में सफल होंगी।

फॉर्मूला चुनें

कंसीलर के फॉर्मूले पर भी ध्यान देना चाहिए। अगर आपको लंबे समय तक टिकाऊ मेकअप चाहिए तो स्टिक या क्रीम कंसीलर चुनें, जो पूरे दिन सही रहे। वहीं, अगर आपको हल्की और आरामदायक फिनिश चाहिए तो तरल कंसीलर बेहतर रहेगा। इसके अलावा नमी देने वाला या मैट फिनिश कंसीलर भी अच्छे विकल्प हो सकते हैं।

टोट बैग खरीदने जा रहे हैं तो इन बातों का रखें खास ध्यान, होगा सही चयन

टोट बैग एक ऐसा फैशनेबल और काम में आने वाला बैग है, जिसे आप किसी भी अवसर पर इस्तेमाल कर सकते हैं। यह न केवल आपके कपड़ों के साथ मेल खाता है, बल्कि रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी आदर्श होता है। हालांकि, सही टोट बैग चुनना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी फैशन टिप्स देंगे, जिनसे आप अपने लिए एक बेहतरीन टोट बैग चुन सकते हैं।

आकार और बनावट पर ध्यान दें

जब भी आप टोट बैग खरीदने जाएं तो सबसे पहले उसके आकार और बनावट पर ध्यान दें। छोटे आकार के बैग रोजमर्रा के छोटे सामानों के लिए अच्छे होते हैं।

वहीं, बड़े आकार के बैग बड़े सामान, जैसे किताबें रखने के लिए उपयुक्त होते हैं। इसके अलावा बैग की बनावट भी अहम होती है।

चौकोर आकार वाले बैग अधिक सामान समेटने में मदद करते हैं, जबकि गोल आकार वाले बैग अधिक स्टाइलिश लगते हैं।

सामग्री का चयन समझदारी से करें

टोट बैग की सामग्री भी बहुत अहम होती है। कपड़े, लेदर या प्लास्टिक, हर सामग्री की अपनी खासियत होती है।

कपड़े के बैग हल्के होते हैं और आसानी से साफ किए जा सकते हैं, जबकि लेदर के बैग अधिक टिकाऊ होते हैं। प्लास्टिक के बैग पानी से बचाने वाले होते हैं, लेकिन पर्यावरण के लिए नुकसानदायक होते हैं।

इसलिए, अपनी जरूरतों और पर्यावरण के प्रति जागरूकता को ध्यान में रखते हुए सामग्री का चयन करें।

रंगों का मेल मिलान करें

टोट बैग का रंग भी आपके कपड़ों के साथ मेल खाना चाहिए, ताकि आपका लुक संपूर्ण लगे। अगर आप रोजमर्रा की पोशाक में साधारण कपड़े पहनती हैं तो चमकीले रंग का बैग आपके लुक में नयापन ला सकता है।

वहीं, अगर आपकी पोशाक पहले से ही रंगीन होती है तो सादे रंग वाला बैग बेहतर रहेगा। इसके अलावा आप अपनी व्यक्तिगत पसंद और मौसमी चलन को भी ध्यान में रख सकती हैं।

पक्की सिलाई और हैंडल पर गौर फरमाएं

बैग की पक्की सिलाई और मजबूत हैंडल बहुत जरूरी होते हैं, ताकि वह भारी सामान को आसानी से सहन कर सके। कमजोर सिलाई वाले या पतले हैंडल वाले बैग जल्दी टूट सकते हैं और आपकी चीजें गिर सकती हैं, जिससे अनचाही परेशानी हो सकती है।इसलिए, हमेशा पक्की सिलाई और मजबूत हैंडल वाले बैग चुनें, ताकि वे लंबे समय तक टिक सकें और आपका सामान सुरक्षित रहे। कपड़े वाले बैग ले रहे हैं तो मोटाई पर ध्यान दें।

एक पेड़ माँ के नामः पुष्पलता गार्डन से आगे ब्लू बर्ड स्कूल मुख्य मार्ग में किया गया वृक्षारोपण

कोरबा (आरएनएस)। एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत कोरबा के कोसाबाड़ी जोनांतर्गत पुष्पलता उद्यान से आगे ब्लू बर्ड स्कूल मुख्य मार्ग के किनारे वृक्षारोपण किया गया। इस मौके पर निगम के अधिकारी कर्मचारियों ने अपनी सहभागिता देते हुये पौधों का रोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण व हरित कोरबा के संकल्प को गति दी।

कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में जिला प्रशासन व नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वन विभाग के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण एवं हरित कोरबा के संकल्प के साथ विगत 18 जुलाई से '' एक पेड़ माँ के नाम '' अभियान के तहत सघन वृक्षारोपण का कार्य संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत कोरबा के कोसाबाड़ी जोनांतर्गत पुष्पलता उद्यान से आगे ब्लू बर्ड स्कूल मुख्य मार्ग के किनारे वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर उद्यान अधीक्षक आनंद राठौर, संतोष यादव, मनमोहन, गोपी, कार्तिक राम, पूरन, अमर सिंह, फित्तू, किरितराम यादव, सांताराम, गंगाराम, केसर सहित अन्य नागरिकगणों ने पौधों का रोपण किया तथा पर्यावरण के संरक्षण व हरित कोरबा के संकल्प के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की।

08, 14, 15, 16, 22, 25, 27 सितम्बर एवं 02 अक्टूबर को बंद रहेगा पशुवध कार्य

कोरबा (आरएनएस)। नगर पालिक निगम केारबा क्षेत्रांतर्गत संचालित समस्त वधशालाओं एवं मांस विक्रय की दुकानों को दिनांक 08, 14, 15, 16, 22, 25, 27 सितम्बर एवं 02 अक्टूबर को पूर्ण रूप से बंद रखा जाएगा। इन तिथियों में किसी प्रकार का पशुवध न होगा और न ही मांस का विक्रय होगा।

निगम द्वारा 08 सितम्बर को जैन पर्यूषण पर्व प्रथम दिवस, 14 सितम्बर को गणेश चतुर्थी, 15 सितम्बर को जैन पर्यूषण महापर्व दिवस, 16 सितम्बर को जैन पर्यूषण पर्व एवं क्षमा, 22 सितम्बर को ढोल ग्यारस, 25 सितम्बर को अनंत चतुर्दशी एवं जैन पर्यूषण पर्व अंतिम दिवस, 27 सितम्बर को जैन पर्यूषण पर्व में सवंत्सरी व उत्तम क्षमा एवं 02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती के विशिष्ट अवसर पर पशुवधगृहों व मांस विक्रय की दुकानों को पूर्ण रूप से बंद रखने तथा किसी भी प्रकार का पशुवध न करने और न ही मांस का विक्रय करने के निर्देश समस्त पशुवधगृह संचालकों व संबंधित दुकानदारों केा दिए गए हैं। उक्त तिथियों में यदि किसी भी दुकान में मांस का विक्रय किया जाता है तो मांस जप्त कर संबंधित के विरूद्ध यथोचित कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

कटघोरा बाईपास पर पेड़ से टकराकर धू-धूकर जला 407 वाहन, चालक ने कूदकर बचाई जान

कोरबा (आरएनएस)। जिले के कटघोरा बाईपास पर रविवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। हुकरा क्षेत्र में तेज रफ्तार 407 वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराया। टक्कर के बाद वाहन के इंजन में आग लग गई और देखते ही देखते आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। कुछ ही देर में 407 वाहन पूरी तरह जलकर राख हो गया। हालांकि, हादसे में चालक की सूझबूझ से उसकी जान बच गई। चालक ने समय रहते वाहन से छलांग लगा दी।बताया जा रहा है कि 407 वाहन कटघोरा की ओर तेज रफ्तार से आ रहा था। इसी दौरान हुकरा क्षेत्र में चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। वाहन सड़क किनारे मौजूद पेड़ से जोरदार तरीके से टकरा गया। टक्कर के बाद इंजन में आग भड़क उठी।

(रायपुर) छत्तीसगढ़ी को आठवीं अनुसूची में शामिल कराने के लिए सकारात्मक पहल।

22 सितंबर से थम सकते हैं बसों के पहिए, 12 हजार बसों की हड़ताल का ऐलान

रायपुर, (आरएनएस) छत्तीसगढ़ में 22 सितंबर से यात्रियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अपनी 9 सूत्रीय मांगों को लेकर यातायात महासंघ ने प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन महाबंद का ऐलान किया है। महासंघ के मुताबिक हड़ताल के दौरान प्रदेश की करीब 12 हजार बसों के पहिए थम जाएंगे, जिससे रोजाना सफर करने वाले लगभग 4 लाख 80 हजार यात्रियों पर सीधा असर पड़ने की संभावना है।

बस ऑपरेटर यात्री किराए में वृद्धि, सिंगल स्लीपर बसों पर सिंगल टैक्स लागू करने और ई-बसों के संचालन को केवल नगर निगम सीमा तक सीमित करने सहित 9 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। महासंघ का कहना है कि मांगों को लेकर विभागीय मंत्री से मुलाकात भी की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है।आंदोलन के तहत प्रदेशभर के करीब 800 बस ऑपरेटर अपनी बसें बस स्टैंड पर खड़ी कर विरोध प्रदर्शन करेंगे। यातायात संघ के अध्यक्ष अनवर अली ने कहा कि सरकार और विभाग के समक्ष कई बार अपनी मांगें रखी गई हैं, लेकिन मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण महासंघ को अनिश्चितकालीन महाबंद का निर्णय लेना पड़ा है।

स्वाइन फ्लू ने बढ़ाई चिंता, रायपुर में आंकड़ा 108 पार

प्रदेश में 251 संक्रमित मिले, एक दिन में 16 नए मरीज सामने आए

रायपुर,(आरएनएस)। राजधानी में स्वाइन फ्लू का संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। रायपुर में स्वाइन फ्लू संक्रमित मरीजों की संख्या 108 पहुंच गई है। वहीं प्रदेशभर में अब तक 251 मरीजों की पुष्टि हो चुकी है। सोमवार को प्रदेश में 16 नए संक्रमित मिले, इनमें 8 मरीज रायपुर के रहने वाले हैं। फिलहाल 67 मरीजों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है, जबकि 22 मरीज होम आइसोलेशन में रहकर उपचार करा रहे हैं। इस तरह प्रदेश में एक्टिव मरीजों की संख्या 89 है। राहत की बात यह है कि जनवरी से अब तक स्वाइन फ्लू से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है।राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के अलग-अलग जिलों में स्वाइन फ्लू के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग संक्रमित मरीजों की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। सामने आए मामलों में कुछ मरीजों की ट्रेवल हिस्ट्री भी मिली है। ऐसे मरीजों के संपर्क में आने वाले लोगों को बीमारी के लक्षणों पर नजर रखने और आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग का जोर इस बात पर है कि संक्रमण को शुरुआती स्तर पर ही नियंत्रित किया जा सके और मरीज के संपर्क में आए लोगों में बीमारी न फैले।

वायरस में नहीं हुआ म्यूटेशन

स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों के बीच स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए एक राहत वाली बात यह है कि फिलहाल एच1एन1 वायरस के स्वरूप में किसी तरह का बदलाव यानी म्यूटेशन सामने नहीं आया है। डॉक्टरों के अनुसार वायरस में म्यूटेशन होने पर बीमारी के स्वरूप में बदलाव आ सकता है और संक्रमण अधिक गंभीर हो सकता है। वर्तमान में पुराने स्वरूप के वायरस से ही संक्रमण फैल रहा है। यही वजह है कि अधिकांश मरीज उपचार के बाद स्वस्थ हो रहे हैं।

क्रिकेट में अंडर-16 और सीनियर तथा अंडर 23 का होगा ट्रायल

12 व 13 सितंबर को आईटीआई ग्राउण्ड मे होगा संपन्न

रायगढ़, (आरएनएस)। बीसीसीआई के द्वारा निर्देश मिलने पर छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की अनुमति से जिला क्रिकेट संघ रायगढ़ के द्वारा आने वाले नए क्रिकेट सत्र के लिए अंडर- 16 व सीनियर और अंडर-23 का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। इसका ट्रायल आईटीआई ग्राउंड में होगा।

जिला क्रिकेट संघ के सचिव रामचंद्र शर्मा ने बताया कि नए सत्र के लिए 16 व सीनियर और अंडर 23 के ट्रायल हेतु पंकज बोहिदार एवं अभिषेक गुप्ता, जफर उल्लाह सिद्धीकी को चयनकर्ता के रूप में नियुक्त किया गया है। ये चयनकर्ता खिलाडियों के प्रदर्शन के आधार पर अंतरिम टीम का चुनाव पर्यवेक्षक स्टेट क्रिकेट संघ के जीतेन्द्र बैगड़ पूर्व रणजी खिलाड़ी की उपस्थिति में करेंगे। सचिव रामचंद्र शर्मा ने बताया कि ट्रायल के पूर्व ही जिला क्रिकेट संघ के कार्यालय में शाम को 5 से 8 बजे तक खिलाडियों के पंजीयन का कार्य किया जाएगा। पंजीयन ट्रायल के पूर्व करवाना अनिवार्य है। इस हेतु रोहित नामदेव मोबाइल नंबर 93029 82991 से संपर्क किया जा सकता है।

रायपुर में अपराध के कई मामले दर्ज, वाहन चोरी से लेकर चाकूबाजी और मारपीट तक की घटनाएं

रायपुर,(आरएनएस)। राजधानी रायपुर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरी, चाकूबाजी, मारपीट, धमकी और सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े कई मामले सामने आए हैं। पुलिस ने शिकायतों के आधार पर संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तेलीबांधा में एक्टिवा चोरी

तेलीबांधा थाना क्षेत्र में एचडीएफसी बैंक के सामने खड़ी एक्टिवा चोरी हो गई। शिकायतकर्ता स्वप्नल जैन के मुताबिक उनकी सीजी 04 बीवाई 8045 नंबर की एक्टिवा, जिसकी कीमत करीब 5 हजार रुपये थी, को अज्ञात चोर ले गया। पुलिस ने बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया है।

खमतराई में भी वाहन चोरी

खमतराई थाना क्षेत्र के दही हांडी मैदान, श्रीनगर में खड़ी होंडा एक्टिवा मोपेड चोरी होने की शिकायत दर्ज हुई है। रवि शंकर साहू की सीजी 04 एलजेड 9546 नंबर की एक्टिवा, जिसकी कीमत करीब 15 हजार रुपये बताई गई है, अज्ञात चोर लेकर फरार हो गया।

मेकाहारा और देवेंद्रनगर में चाकू लेकर दहशत फैलाने का आरोप:

मौदहापारा थाना क्षेत्र के मेकाहारा अस्पताल एंबुलेंस स्टैंड और देवेंद्रनगर थाना क्षेत्र में अलग-अलग मामलों में आरोपियों पर चाकू लेकर आम लोगों को आतंकित करने का आरोप है। दोनों मामलों में पुलिस ने आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। वहीं उरला थाना क्षेत्र के बुधवारी बाजार, बीरगांव में भी चाकू लेकर लोगों को डराने के आरोप में मामला दर्ज किया गया।

खम्हारडीह में विवाद के बाद मारपीट

गणेश नगर खम्हारडीह में कुशलता से जुड़ी बात को लेकर विवाद हुआ। शिकायत के मुताबिक आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्के से मारपीट कर चोट पहुंचाई।

पुरानी बस्ती में चरित्र पर टिप्पणी को लेकर विवाद:

कुशालपुर में चरित्र को लेकर कथित टिप्पणी के बाद विवाद बढ़ गया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट की।

खेल समाचार

जूनियर हॉकी एशिया कपः दक्षिण कोरिया पर 7-3 की जीत के साथ सेमीफाइनल के करीब टीम इंडिया

मोकी (ए.)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने मंगलवार को दक्षिण कोरिया को 7-3 से हरा दिया। इस जीत के साथ एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के पूल ए में शीर्ष भारतीय टीम में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है।मैच की बात करें तो ज्यादातर समय मुकाबला बराबरी पर रहा। शुरुआती तीन क्वार्टर में मैच काफी रोमांचक रहा, कोई भी टीम एक इंच भी पीछे हटने को तैयार नहीं थी। इंडिया ने अच्छी शुरुआत की और पांचवें मिनट में अनमोल ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बढ़त बना ली। दक्षिण कोरिया के लिए अगले ही मिनट में डोह्योन चोई ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।दूसरे क्वार्टर में भी यही पैटर्न रहा। लवनूर सिंह ने 18वें मिनट में फील्ड गोल करके इंडिया को आगे कर दिया, लेकिन दक्षिण कोरिया ने ह्योगुक यू की मदद से अगले 60 सेकंड में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया। हालांकि, इंडिया ने यह पक्का किया कि वे हाफ-टाइम तक इस बढ़त को बनाए रखें। अजीत यादव ने 20वें मिनट में गोल करके इंडिया की एक गोल की बढ़त वापस ला दी और ब्रेक तक उन्हें 3-2 की बढ़त दिला दी।दक्षिण कोरिया ने दोबारा मैच शुरू होने के बाद भी हार नहीं मानी और इंडियन डिफेंस को लगातार परखता रहा। यू एक बार फिर उनके अटैकिंग खेल का सेंटर थे, उन्होंने तीसरे क्वार्टर के सिर्फ छह मिनट में मैच का अपना दूसरा गोल किया, जिससे कोरियाई टीम तीसरी बार 3-3 से बराबर हो गई।

जब मैच आखिरी क्वार्टर में बराबरी की ओर बढ़ रहा था, तो प्रभदीप सिंह ने तीसरे क्वार्टर के आखिर में ब्रेकथ्रू पाया और 42वें मिनट में इंडिया की लीड 4-3 कर दी।

चौथे क्वार्टर के शुरुआती दौर में दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर अटैक करना

जारी रखा, लेकिन इंडिया ने आखिरकार सिर्फ तीन मिनट के अंदर तीन गोल करके मैच का रुख पलट दिया। गुरसेवक सिंह ने 55वें मिनट में भारत को बढ़त दिलाई। इसके एक मिनट बाद अनमोल ने पेनल्टी कॉर्नर पर फिर से गोल करके स्कोर 6-3 कर दिया। इसके बाद आर्यन जेस ने 58वें मिनट में निर्णायक गोल को 7-3 से भारत की जीत पर मुहर लगाई। कप्तान और स्टार ड्रैगफ्लिकर अनमोल एक्का ने 2 गोल किए। टूर्नामेंट में उनके गोलों की संख्या आठ हो गई।

जीत के साथ भारतीय टीम के तीन मैचों में सात अंक हो गए हैं। इसमें एक ड्रॉ भी शामिल है। हार के बाद, दक्षिण कोरिया के छह अंक हो गए हैं। दक्षिण कोरिया का अगला मैच जापान के साथ है।भारतीय टीम सेमीफाइनल के करीब पहुंच गई है। भारतीय टीम का अगला मैच बुधवार को चीनी ताइपे से खेला जाना है। इस मैच में जीत टीम इंडिया को सेमीफाइनल का टिकट दिला देगी।

बीबीएल में निजी निवेश मेलबर्न रेनेगेड्स की बिक्री प्रक्रिया से शुरू होगी, सीए ने दी मंजूरी

मेलबर्न (ए) । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) बोर्ड ने बिग बैश लीग (बीबीएल) में निजी निवेश की आधिकारिक अनुमति दे दी है। इस प्रक्रिया की शुरुआत मेलबर्न रेनेगेड्स की बिक्री प्रक्रिया से शुरू होगी। सीए ने मंगलवार को घोषणा की कि वो रेनेगेड्स में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए निजी मालिकों से बोलियां मंगाएगा, ताकि क्लब 2027-28 विमेंस बीबीएल और बीबीएल सीजन नए मालिकाना हक में खेल सके। बिक्री प्रक्रिया से आगामी विमेंस बीबीएल और बीबीएल पर कोई असर नहीं पड़ेगा। रेनेगेड्स को सीए केयरटेकर मोड में चलाएगा। सीए ने एक बयान में कहा, 08 सितंबर ,इस सेल्फ-डिटरमिनेशन मॉडल के साथ आगे बढ़ने का फैसला ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट के सभी पहलुओं के हित को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। इससे समुदाय, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय रास्तों और एलीट क्रिकेट के लिए फंडिंग बढ़ेगी। टेस्ट क्रिकेट की अहमियत को बचाया जाएगा। हमारी नेशनल टीमों और बिग बैश लीग में सबसे अच्छे खिलाड़ियों को विकसित करना जारी रखा जाएगा।

मार्क चैपमैनः बीबीएल में खेलने के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के साथ कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड अपने खिलाड़ियों को लीग क्रिकेट खेलने के लिए अपने साथ कैजुअल अनुबंध का विकल्प देता है। कई दिग्गज खिलाड़ी इस अनुबंध तहत हैं, और इसमें अगला नाम दिग्गज ऑलराउंडर मार्क चैपमैन का है। चैपमैन ने बीबीएल में खेलने के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ कैजुअल अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) में जाने का फैसला किया है।चैपमैन ने कैजुअल अनुबंध का फैसला बिग बैश लीग (बीबीएल) का अनुबंध मिलने के बाद किया है। हालांकि, लीग में वे किस टीम का हिस्सा होंगे, ये अभी स्पष्ट नहीं है। बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज और स्पिनर चैपमैन अब न्यूजीलैंड में घरेलू स्तर पर खेलने के बजाय अपने घरेलू समर के पीक के दौरान ऑस्ट्रेलिया में बीबीएल में खेल सकेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट से कैजुअल अनुबंध मिलने के बाद चैपमैन ने बोर्ड का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने कहा, मैं अभी और अपने पूरे करियर में न्यूजीलैंड क्रिकेट के सहयोग के लिए उनका शुक्रगुजार हूं। आने वाली इंडिया सीरीज ऐसी है जिसके लिए हम सभी खिलाड़ी सच में उत्साहित हैं। मैं उस सीरीज में प्रदर्शन करने के लिए पूरे दिल से प्रतिबद्ध हूं।

यूएस ओपन : एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने लुसियानो डार्डेरी को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

न्यूयॉर्क (आरएनएस)। यूएस ओपन 2026 में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव का शानदार प्रदर्शन जारी है। ज्वेरेव ने इटली के लुसियानो डार्डेरी को 6-2, 6-2, 7-6(3) से हराकर हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने अपनी सर्व और हैवी बेसलाइन हिटिंग का इस्तेमाल करके डार्डेरी पर लगातार दबाव बनाए रखा। यहां तक कि जब 21वें सीड वाले डार्डेरी ने शुरुआती सेट में देर से अपनी सर्व टेस्ट की, तब भी ज्वेरेव ने दूसरे सेट में एक और गियर ढूंढने से पहले मजबूती से पकड़ बनाए रखी। डार्डेरी के खराब तरीके से किए गए ड्रॉप शॉट ने ज्वेरेव को अगले सेट में दूसरा ब्रेक दिया, जिससे जर्मन खिलाड़ी 4-0 से आगे हो गया। डार्डेरी तीसरे सेट में उस रिदम को तोड़ने में कामयाब रहे। उनकी दमदार पहली सर्व ने दिक्कतें पैदा करना शुरू कर दिया, जबकि ड्रॉप शॉट के इस्तेमाल से ज्वेरेव को आगे बढ़कर अनजान जगहों पर डिफेंड करना पड़ा। इटैलियन खिलाड़ी ने तीसरे सेट में ज्वेरेव से कड़ी मेहनत करवाई।

हालांकि, ज्वेरेव ने धैर्य बनाए रखा और अहम मौकों पर नियंत्रण के साथ खेला तीसरा सेट भी अपने नाम किया।

जीत के साथ ही एलेक्जेंडर ज्वेरेव 2026 में सभी चार ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले अकेले खिलाड़ी बन गए हैं।

क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद ज्वेरेव ने कहा, ,08 सितंबर ,मुझे लगा कि मेरा स्तर एक जैसा था। उन्होंने तीसरे सेट में बहुत अच्छा खेलना शुरू किया। मैंने मुश्किल से ही किसी को गेंद को इतनी जोर से मारते देखा जितना उन्होंने पूरे सेट में लगातार किया, इसलिए इसका श्रेय उन्हें जाता है।,08 सितंबर, ज्वेरेव का क्वार्टर फाइनल में मुकाबला नीदरलैंड के बोटिक वैन डे जैंडशुल्प से होगा। बोटिक ने चौथे राउंड में आर्थर गाअे को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। गाअे के खिलाफ हुए मैच में बोटिक ने शुरुआती 2 सेट गंवा दिए थे और टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर थे, लेकिन इसके बाद लगातार 3 सेट जीतकर उन्होंने मैच अपने नाम किया।

यूएस ओपन : पहला दो सेट गंवाने के बाद बोटिक ने आर्थर गेआ को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

न्यूयॉर्क,(आरएनएस)। यूएस ओपन 2026 में बोटिक वैन डे जैंडशुल्प ने करिश्माई प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। बोटिक ने दो सेट पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए फ्रांस के आर्थर गेआ को 3-6, 6-7(0), 7-6(7), 7-6(6), 6-4 से हराया। मैच 5 घंटे 13 मिनट तक चला। यह यूएस ओपन इतिहास का चौथा सबसे लंबा एकल मुकाबला था। अपना पहला यूएस ओपन मेन ड्रॉ खेल रहे 87वें नंबर के आर्थर गेआ ने पहला सेट 6-3 से जीता। इसके बाद दूसरा सेट, उन्होंने 7-0 से जीता। लगातार 2 सेट में जीत के बाद आर्थर गेआ का क्वार्टर फाइनल निश्चित लग रहा था, लेकिन बोटिक वैन डे जैंडशुल्प ने यहीं से ऐतिहासिक वापसी की और लगातार तीन सेट जीत मैच अपने नाम किया। तीसरा सेट रोमांचक रहा और टाईब्रेक तक पहुंच गया। गेआ मैच पॉइंट पर पहुंच गए, जिससे वह सचमुच एक ऐतिहासिक जीत से एक पॉइंट दूर थे, लेकिन तीसरे सेट के टाईब्रेकर में 6-5 के स्कोर पर मैच पॉइंट पर गेआ ने फोरहैंड वॉली को मिस-हिट या बुरी तरह से हिट किया और फिर एक वॉली मिस कर दी जो लग रहा था कि वाइड जा सकती थी। नीदरलैंड के बोटिक ने 9-7 से टाईब्रेकर से बच निकले और तीसरा सेट जीत लिया।

चौथे सेट में गेआ अपने बोटिक को अपनी क्षमता के मुताबिक नियंत्रित करने की कोशिश करते रहे और आखिरकार उस पॉइंट पर पहुंच गए जहां वह मैच के लिए सर्व कर रहे थे, लेकिन मैच खत्म नहीं कर पाए। बोटिक ने चौथा सेट टाईब्रेक में 7-3 से जीता। पांचवां सेट वैन डे जैंडशुल्प का रहा। उन्होंने 21 साल के गाअे के खिलाफ पांचवां सेट 6-4 से जीता।

30 साल के बोटिक ने बेहद यादगार तरीके से क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वह पहली बार 2021 में न्यूयॉर्क में आखिरी आठ में पहुंचे थे।

सचिन तेंदुलकर ने खरीदी 3.9 एकड़ जमीन, 4.20 करोड़ सिर्फ स्टांप ड्यूटी में दिए; पूरी डील की कीमत जानकर रह जाएंगे हैरान

मुंबई(ए.)। क्रिकेट के 'भगवान' कहे जाने वाले मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने महाराष्ट्र के मशहूर हिल स्टेशन लोनावला में एक बड़ी और ऐतिहासिक प्रॉपर्टी डील की है। जमीन के पंजीकरण से जुड़े आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, सचिन तेंदुलकर ने तीन अलग-अलग पंजीकृत सौदों के माध्यम से कुल करीब 70 करोड़ रुपये में 3.9 एकड़ (लगभग 1.68 लाख वर्ग फीट) से अधिक जमीन खरीदी है। यह पूरी संपत्ति लोनावला के एच-वार्ड के तहत चार अलग-अलग सिटी सर्वे नंबरों में फैली हुई है, जिसका औपचारिक रजिस्ट्रेशन 4 सितंबर को पूरा किया गया।

सबसे बड़ा सौदा 63.69 करोड़ का, पहले से बना 2,100 वर्ग फीट का ढांचा भी शामिल

इस मेगा रियल एस्टेट डील में सबसे बड़ा सौदा करीब 63.69 करोड़ रुपये में हुआ है, जिसके तहत लगभग 3.09 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया गया। इस भूखंड पर पहले से करीब 2,100 वर्ग फीट का एक निर्मित ढांचा भी बना हुआ है। इस हिस्से के लिए प्रभावी लेनदेन दर करीब 4,735 रुपये प्रति वर्ग फीट रही। बाकी

के दो सौदों में सचिन तेंदुलकर ने दो अलग-अलग जमीनों में 50 प्रतिशत अविभाजित हिस्सेदारी (undivided share) हासिल की है। इनमें से एक सौदा 2,302.27 वर्ग मीटर जमीन के लिए करीब 4.56 करोड़ रुपये में और दूसरा सौदा 803.93 वर्ग मीटर जमीन के लिए करीब 1.75 करोड़ रुपये में हुआ है।

4.20 करोड़ की चुकाई स्टांप ड्यूटी, 4,168 प्रति वर्ग फीट रहा औसत भाव द इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, तीनों सौदों को मिलाकर इस जमीन का कुल औसत प्रभावी ट्रांजैक्शन रेट लगभग 4,168 रुपये प्रति वर्ग फीट बैठता है। वहीं, आंशिक हिस्सेदारी वाली दोनों जमीनों के लिए यह दर करीब 1,888 रुपये प्रति वर्ग फीट रही। इस भारी-भरकम संपत्ति की खरीद पर सचिन तेंदुलकर ने महाराष्ट्र सरकार के राजस्व विभाग को करीब 4.20 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी चुकाई है। हालांकि, इस निजी निवेश को लेकर तेंदुलकर के आधिकारिक प्रतिनिधियों की ओर से कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

अमीरों और सेलिब्रिटीज की पहली पसंद बना लोनावला, कस्टमाइज्ड विला का बढ़ा क्रेज

मुंबई और पुणे के बीच स्थित लोनावला लंबे समय से उद्योगपतियों, फिल्मी सितारों और हाई-नेट-वर्थ इंडिविजुअल्स (HNIs) के लिए पसंदीदा सेकंड-होम और वेकेशन डेस्टिनेशन रहा है। दोनों बड़े महानगरों से सीधी और आसान कनेक्टिविटी के चलते यहां लग्जरी विला और बड़े फार्महाउस की मांग लगातार बढ़ रही है।

हाथों में हुनर, मन में आत्मविश्वास प्रतिमा निर्माण से मानसिक बौद्धिक और आर्थिक विकास की नई राह

दिव्यांग विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल

नर्मदापुरम (निप्र.)। मिट्टी के छोटे-छोटे गोलों से शुरू हुआ सफर अब गणेश प्रतिमाओं के सुंदर स्वरूप तक पहुंच गया है। कभी जिन्हें मिट्टी को आकार देना सिखाया गया था, आज वही दिव्यांग विद्यार्थी अपने हाथों से भगवान गणेश की प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं। यह केवल मूर्ति निर्माण का प्रशिक्षण नहीं, बल्कि दिव्यांग विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल है। डॉ ऐनी बेसेंट विशेष विद्यालय एवं आवासीय छात्रावास में वोकेशनल प्रशिक्षण के अंतर्गत इस वर्ष 20 दिव्यांग हितग्राहियों को मिट्टी के गणेश बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। संस्था की शुरुआत वर्ष 2000 में हुई थी। विद्यार्थियों को शुरुआत में मिट्टी के गोले बनाने का अभ्यास कराया गया। इसके बाद उन्हें धीरे.धीरे मिट्टी को आकार देनेए अंगों की बनावट समझने और गणेश प्रतिमा तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षक को देखकर सीख रहे विद्यार्थी

विद्यार्थी प्रशिक्षक द्वारा तैयार की जा रही गणेश प्रतिमाओं को ध्यानपूर्वक देखकर उसी प्रक्रिया को स्वयं दोहराते हैं। इस दौरान वे पूरी लगन और एकाग्रता से मिट्टी को आकार देते हैं। प्रतिमा का एक.एक हिस्सा तैयार करने में उनकी मेहनत और उत्साह साफ दिखाई देता है। संस्था की संचालिका श्रीमती आरती दत्ता ने बताया कि दिव्यांग विद्यार्थियों को इस कार्य से जोड़ने का उद्देश्य उनके अंदर छिपी प्रतिभा को सामने लाना और उन्हें कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि प्रतिमा निर्माण की गतिविधि से विद्यार्थियों के बौद्धिक स्तर एकाग्रता और मानसिक क्षमता में सकारात्मक सुधार देखने को मिल रहा है। अपने हाथों से बनाई गई प्रतिमा जब आकार लेती है तो विद्यार्थियों में उपलब्धि की भावना और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

हुनर से आत्मनिर्भरता की ओर

मिट्टी के गणेश बनाने का प्रशिक्षण विद्यार्थियों के लिए भविष्य में स्वरोजगार का माध्यम भी बन सकता है। प्रशिक्षण के जरिए वे अपनी कला को विकसित कर रहे हैं और अपनी मेहनत से तैयार उत्पाद को बाजार तक पहुंचाने की संभावनाएं भी तलाश रहे हैं।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी

इस पहल की खास बात यह है कि दिव्यांग विद्यार्थियों द्वारा बनाई जा रही गणेश प्रतिमाएं पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दे रही हैं। प्रतिमाओं में औषधीय पौधों के बीज लगाए जा रहे हैं। प्राकृतिक मिट्टी से बनी इन प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद बीजों से पौधे विकसित होने की संभावना रहती है।

इस तरह एक ओर जहां दिव्यांग विद्यार्थी मिट्टी को आकार देकर अपना भविष्य गढ़ रहे हैंए वहीं दूसरी ओर उनकी बनाई गणेश प्रतिमाएं समाज को पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दे रही हैं।

जिला चिकित्सालय में आयोजित हुआ वृद्धजन स्वास्थ्य शिविर

107 लोगो ने प्राप्त किया चिकित्सकीय परामर्श

नर्मदापुरम (निप्र.)। राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम में विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में जिले के 107 लोगों ने सहभागिता कर विभिन्न बीमारियों एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए अपना स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान सिविल सर्जन डॉ. सुनीता कामले द्वारा लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील की। शिविर में विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की जांच एवं उपचार हेतु अस्थिरोग, मेडिसिन, ई.एन.टी., नेत्ररोग, दंत चिकित्सा, फिजियोथेरेपी सहित अन्य विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। चिकित्सकों द्वारा वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक जांच, उपचार एवं उचित चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया।इस अवसर पर आर.एम.ओ. डॉ. गजेन्द्र यादव, डॉ. अखिलेश सिंघल, डॉ. मिलन सोनी एवं श्रीमती रोशनी प्रजापति सहित शिविर में ड्यूटी हेतु नियुक्त चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

वार्ड 10 में आरामशीन के आगे सड़क पर हो रही दलदल

विद्यार्थियों और नागरिकों का निकलना हो रहा मुश्किल

नर्मदापुरम (निप्र.)। वार्ड क्रमांक 10 में आरामशीन के आसपास वाले सड़क मार्ग पर बहुत अधिक दलदल हो जाने से इस क्षेत्र के स्कूली विद्यार्थियों को स्कूल आने जाने में परेशान हो रही है। इस क्षेत्र के नागरिकों को भी उनके घर पहुंचने में बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस क्षेत्र के समाजसेवी शासकीय सेवा से निवृत्त नागरिक हीरालाल शर्मा ने बताया कि बीते एक माह से वार्ड के इस क्षेत्र के नागरिकों को सीमेंटेट सड़क पर खाली प्लाटों से बहकर आई मिट्टी और बारिश के पानी के कारण बहुत अधिक दल दल हो जाने आवागमन मुश्किल हो रहा है। छोटे बच्चे तो निकल ही नहीं पाते हैं। जब तक परिजन उनके साथ नहीं जाएं तो बच्चे स्कूल तक नहीं जा सकते। इसी प्रकार महिलाओं का घर से निकलना दूभर हो गया। उन्होंने वार्ड के पार्षद दौलत राम यादव को भी अवगत करा दिया है। उनके द्वारा कहा जा रहा है कि दलदल वाले हिस्से में गिट्टी डलवा दी जाएगी वहीं ज्यादा दिक्कत हो रही है उस जगह पर जेसीबी से सफाई करा देंगे।

अव्यवस्थित यातायात व्यवस्था के बीच सड़क पर उतरे न्यायाधीशगण मौके पर ही दी समझाईश और की कार्यवाही

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती तृप्ति शर्मा के निर्देशन में विभिन्न स्थानों पर लगी मोबाईल कोर्ट

नर्मदापुरम (निप्र.)। मंगलवार को यातायात नियमों के प्रति आमजन में जागरूकता लाने और सड़क पर अनुशासन सुनिश्चित करने तथा नियमों के उल्लघंन पर प्रभावी कानूनी कार्यवाही के उद्देश्य से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायायाधीश नर्मदापुरम श्रीमती तृप्ति शर्मा के निर्देशन में जिला मुख्यालय नर्मदापुरम सहित जिले के विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग मोबाईल कोर्ट का आयोजन किया गया। इस पहल के अंतर्गत नर्मदापुरम जिला मुख्यालय तथा इटारसी, सोहागपुर, सिवनीमालवा, एवं पिपरिया सहित विभिन्न तहसील क्षेत्रों में न्यायिक मजिस्ट्रेटगण द्वारा मौके पर पहुंचकर मोबाईल कोर्ट का संचालन किया गया। न्यायिक अधिकारीगण सड़कों पर पहुंचे और अलग-अलग स्थानों पर बैठकर अव्यवस्थित यातायात के बीच आमजन से सीधे संवाद करते हुए उन्हें यातायात नियमों के पालन के लिए समझाईश दी गई।

नियमों के उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों को उनकी गलती से अवगत कराते हुए आवश्यकतानुसार चेतावनी दी गई तथा विधि के प्रावधानों के अनुसार अर्थदण्ड की कार्यवाही की गइ। मोबाईल कोर्ट के दौरान न्यायिक अधिकारियों में आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए बताया कि यातायात नियमों का पालन केवल चालान अथवा दण्ड से बचने के लिए नहीं बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन एवं सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की सुरक्षा के लिए किया जाता है। इस दौरान हेल्मेट का उपयोग, वाहन चलाते समय आवश्यक दस्तावेज साथ रखना, यातायात संकेतों एवं नियमों का पालन करना, निर्धारित गति में वाहन चलाना तथा सड़क पर अनुशासन बनाये रखने के संबंध में नागरिकों को जागरूक किया गया।मोबाईल कोर्ट के दौरान श्री फिरोज अख्तर, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट तथा श्रीमती मधुबाला सोलंकी, श्रीमती दिव्या मित्तल, श्रीमती श्रीति अतुलकर, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सहित अन्य तहसील न्यायालयों के मजिस्ट्रेट द्वारा कुल 164 मामलों का निराकरण करते हुऐ 99,300 रूपये का अर्थदण्ड अधिरोपित कर दण्ड के साथ जागरूकता और कानून के साथ जनसंवाद का प्रभावी संदेश दिया गया। स्थानीय पुलिस एवं प्रशासन के सहयोग से आयोजित इस चलित न्यायालय में न्यायिक अधिकारियों न्यायालयीन स्टॉफ, पुलिस एवं प्रशासन के समन्वित प्रयासों से प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की गई।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने रेडक्रॉस सोसाइटी के माध्यम से प्रदान की आर्थिक सहायता

नर्मदापुरम (ए.)। सीताराम कॉलोनी, वार्ड नंबर-18 हथवास, पिपरिया निवासी श्रीमती रेखा अहिरवार पति अशोक अहिरवार के हाथ की हड्डी टूटने के कारण उनका उपचार मीना फ्रैक्चर अस्पताल में कराया गया। उपचार में राशि खर्च हो जाने तथा परिवार की आर्थिक स्थिति विपरीत होने के कारण आवेदिका द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया था। आवेदन पर संवेदनशीलता दिखाते हुए कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा रेडक्रॉस सोसाइटी के माध्यम से श्रीमती रेखा अहिरवार को 5 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया।

जनसुनवाई में 75 आवेदनों पर हुई सुनवाई, अतिक्रमण, आवास,सुरक्षा, सीमांकन जैसे अन्य राजस्व मामलों से संबंधित 75 आवेदन हुए प्राप्त

नर्मदापुरम (निप्र.)। मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में संयुक्त कलेक्टर देवेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता मे जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें श्री सिंह ने अधिकारियों के साथ जनसामान्य की समस्याओं पर गंभीरता से सुनवाई की गई। जनसुनवाई में आए 75 आवेदनों पर सुनवाई कर उनका निराकरण किया।जनसुनवाई मे आए पेंशन, सीमांकन, अतिक्रमण, विधुत, राजस्व सम्बन्धि आवेदनों पर सुनवाई कर उनका त्वरित निराकरण किया गया। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर सुश्री सीमा बडोले सहित अन्य सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासनिक कार्यों के बीच कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने स्वयं वृद्ध आवेदक की समस्या का लिया संज्ञान कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने प्रशासनिक कार्यों के बीच जनसामान्य की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता का परिचय देते हुए ग्वालटोली से आए एक वृद्ध आवेदक की सीमांकन संबंधी समस्या को गंभीरता से सुना। कलेक्टर ने स्वयं आवेदक से उसकी समस्या की जानकारी ली और प्रकरण के संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त की।

नपा अधिनियम विरुद्ध एजेंडों को निरस्त करने प्रतिपक्ष नेता ने कमिश्नर को लिखा पत्र

नर्मदापुरम (निप्र.)। नगर पालिका परिषद की बैठक 9 सितंबर को होना है। नगर पालिका के नेता प्रतिपक्ष अनोखेलाल राजोरिया ने कमिश्नर को नगरपालिका अधिनियम के विरूद्ध जारी एजेंडा को निरस्त करने के लिए पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया है कि परिषद की बैठक के लिए जारी एजेंडे में गंभीर अनियमित्ताएं हैं। इसलिए एजेंडा को निरस्त किया जाए। एजेंडे में अस्पष्ठ विषय रखकर मनमाने एवं मनचाहे संकल्प लिए जाते हैं। उन्होंने मांग की है कि स्पष्ट विषयों के साथ एजेंडा जारी किया जाए। नेता प्रतिपक्ष ने एजेंडा की छायाप्रति कलेक्टर और कमिश्नर को भी प्रदान की है। उन्होंने उल्लेख किया है कि जो विषय क्र. 323 पीआईसी की जो बैठक हुई ही नहीं है। उसकी पुष्टि के लिए रखा है जो काल्पनिक एवं नियम विरूद्ध है। महत्वपूर्ण विषयों में कार्यों की राशि उल्लेखित नहीं है एवं वित्तीय व प्रशासनिक स्वीकृतियों का भी उल्लेख नहीं है। जिससे महत्वपूर्ण आंकड़ों को छुपाकर केवल स्वीकृति के लिए रखे हैं जो नियम विरूद्ध हैं। विषय क्रमांक 325, 326, 327, 328, 333, 335 में प्राक्कलन राशि का उल्लेख नहीं है एवं वित्तीय व प्रशासनिक स्वीकृति का भी उल्लेख नहीं है। परिषद को गुमराह किया जा रहा है। जल संबंध कार्यों एवं विषय क्र 324 में उल्लेख नहीं है कि स्वीकृति पूर्व में किए गए कार्यों की है या नवीन कार्यों की। इसलिए तथ्य छुपाकर बनाया गया एजेंडा आपत्तिजनक एवं नियम विरूद्ध है। विषय क्र 340 में कार्य का नाम राशि एवं स्थान का उल्लेख नहीं है। रिकों को कई दिनों से परेशानी उठानी पड़ रही है। पूर्व में कई वर्ष तक सड़क का इंतजार किया गया। जैसे तैसे सड़क् तैयार हुई तो अब सड़क पर ही दलदल हो गई है।

समाज के विश्वास और सहयोग से हर समस्या के समाधान में सक्षम हैं स्वयंसेवी संस्थाएं : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

नर्मदापुरम (निप्र.)। जिले में सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की संवाद योजना अंतर्गत 'पंख' कार्यक्रम के तहत स्वयंसेवी संस्थाओं की समन्वय बैठक कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, नशा मुक्ति, जैविक कृषि एवं पर्यावरण संरक्षण सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

'पंख' कार्यक्रम अंतर्गत स्वयंसेवी संस्थाओं की समन्वय बैठक आयोजित

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि जब सामाजिक संस्थाएं समाज के प्रतिनिधि के रूप में प्रशासन के साथ मिलकर कार्य करती हैं, तो वे प्रत्येक समस्या के समाधान और हर कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। सामाजिक संस्थाओं के साथ समाज का विश्वास और सहयोग जुड़ा होता है, जिससे उनके प्रयासों को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त होता है। उन्होंने स्वयंसेवी संस्थाओं से सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में सक्रिय सहभागिता बनाए रखने का आव्हान किया।कलेक्टर ने कहा कि वर्तमान समय में मां नर्मदा की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। आगामी गणेश चतुर्थी के दृष्टिगत उन्होंने स्वयंसेवी संस्थाओं से अपने-अपने क्षेत्रों में जनजागरूकता गतिविधियां संचालित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि नागरिकों को मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के लिए प्रेरित किया जाए। साथ ही प्रतिमाओं का विसर्जन नदी अथवा तालाब में न कर, सार्वजनिक विसर्जन कुंड, घर पर स्वच्छ पात्र में किया जाए, ताकि प्रतिमा की मिट्टी को बाद में गमलों एवं पौधों के उपयोग में लाया जा सके।बैठक में नर्मदा क्षेत्र में आने वाले परिक्रमावासियों की सुविधाओं के लिए भी स्वयंसेवी संस्थाओं से आगे आकर सहयोग करने का आग्रह किया गया। इसके साथ ही 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन की जिम्मेदारी लेने के लिए भी संस्थाओं का आव्हान किया गया। बैठक में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के संभागीय समन्वयक कोशलेश तिवारी, परिषद से जुड़ी नवांकुर संस्थाओं, परामर्शदाताओं तथा विभिन्न शैक्षणिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जिले में अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्यवाही निरंतर जारी, 04 प्रकरण कायम

नर्मदापुरम (निप्र.)। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के आदेशानुसार एवं जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में जिले में अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है।सहायक जिला आबकरी अधिकारी अभिलाश पाठक के नेतृत्व में इटारसी औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत संचालित मदिरा दुकान तथा ढावो कि जाँच की गई। कार्रवाई के दौरान मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के नियमों के तहत कुल 04 प्रकरण कायम किए गए। उक्त कार्रवाई में वृत्त आबकारी उपनिरीक्षक के.के. पडरिया, प्रधान आबकारी आरक्षक मदन रघुवंशी, दुर्गेश पठारिया, का योगदान रहा। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि मदिरा दुकानों तथा ढावों की जाँच निरंतर जारी रहेगा।

जिले में रेत खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध कार्यवाही निरंतर जारी, डंपर और 11 मोटर बोट जप्त

नर्मदापुरम (निप्र.)। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के निर्देश पर जिले में रेत खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध चलाया जा रहा संयुक्त अभियान लगातार जारी है। राजस्व, खनिज और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जिले में लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 07 सितम्बर 2026 को खनिज एवं पुलिस विभाग द्वारा नर्मदापुरम में जांच के दौरान डंपर क्रमांक MP04ZW9232 को रेत का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। उक्त वाहन को जप्त कर पुलिस थाना देहात नर्मदापुरम की अभिरक्षा में रखा गया है। तथा सिवनी मालवा में 08 सितम्बर 2026 को तहसील सिवनी मालवा के ग्राम बाबरी एवं पथाड़ा में जांच के दौरान नर्मदा नदी से अवैध रेत उत्खनन में प्रयुक्त 11 मोटर बोट जप्त की गईं। जप्त सभी बोटों को पुलिस थाना शिवपुर की अभिरक्षा में रखा गया है। उक्त कार्यवाहियों के दौरान खनि निरीक्षक बसंत पाटिल, थाना प्रभारी देहात नर्मदापुरम ऊषा मरावी, नायब तहसीलदार सिवनी मालवा हीरू कुमरे, प्रभारी खनि निरीक्षक कृष्ण कांत परस्ते, खनिज सिपाही हेमंत राज एवं पुलिस थाना शिवपुर का बल उपस्थित रहा।

कार्यालय नगर पालिका परिषद नर्मदापुरम (म.प्र.)

Email- cmohoshangabad@mpurvan.gov.in

पत्र क्र./ /न.पा./2026 5650 नर्मदापुरम, दिनांक 07-09-2026

।। निविदा आमंत्रण सूचना।।

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि दिनांक 26.05.2026 को कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमति उपरांत निकाय तालिका में वर्णित इस हेतु म.प्र. लोक निर्माण विभाग की एकीकृत नवीन पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से एक मुश्त आधार पर वित्तीय ऑफर आमंत्रित करती है। इच्छुक ठेकेदार/फर्म स्वयं के लेटर हेड पर बंद लिफाफे में दिनांक 22/09/2026 को दोपहर 3.00 बजे तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है जो उसी दिनांक को दोपहर 3.30 बजे उपस्थित संस्था/कंसल्टेंट/ठेकेदार/फर्मो अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोले जावेंगे। विवरण एवं शर्तें निम्नानुसार है-

क्र.	कार्य का विवरण	अमानत राशि	समयावधि
1	शासकीय पी.एम. श्री हाई स्कूल ग्वालटोली के प्रांगण में स्थित पुराने जीर्णशीर्ण भवन, अतिरिक्त हाल एवं बाउंड्रीवाल को तोडे जाने का कार्य।	2000/-	01 माह

शर्तें :-

1. भवन को सुरक्षित तरीके से सावधानी पूर्वक तोड़कर समतल करके देना होगा।
2. किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने पर संपूर्ण जिम्मेदारी निविदाकार की होगी।
3. जीर्णशीर्ण भवन अतिरिक्त हाल एवं बाउंड्रीवाल को तोडे जाने उपरांत निकली सामग्री को अपने साधनों से स्वयं ले जाना होगा।
4. निविदाकार निविदा देने से पूर्व स्थल निरीक्षण आवश्य कर लेवे।
5. निकाय को बगैर कारण बताए निविदा निरस्त करने का अधिकार होगा।
6. निविदा से संबंधित समस्त जानकारी कार्यालय से कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद
नर्मदापुरम

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा "शिवरानी भवन", क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com